



04 - यूएनजीए में डॉ. रहमान की जीत का वैश्विक दृष्टिकोण



05 - आधी आबादी की बड़ी चुनौती मेनोपॉज

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 19 जून, 2026



इंदौर एवं गोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 257, नवंबर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2



06 - केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर और मुख्य सचिव अनुशासन जैन ने...



07 - सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने परिषद मध्य रेल के...

संवाद

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subhasaverenews
www.subhasavere.news
twitter.com/subhasaverenews

सुप्रभात

सब कहते हैं ये बीमारी, छोड़ गए हैं बाबू जी। सारे बच्चों में खुदारी, छोड़ गए हैं बाबू जी। सुख दुख बाँट लिया करते थे, जिससे भी मिल आते थे, अपनेपन की बहुत उधारी, छोड़ गए हैं बाबू जी।

कलम किताबें घड़ी डायरी और विरासत में अपनी, दो खानों की इक अलमारी, छोड़ गए हैं बाबू जी।

हँसते गाते खेल रहे हैं, नाती पोते ऑगन में, अपने पीछे ये फुलवारी, छोड़ गए हैं बाबू जी।

जबसे लावारिस सन्नो की, शादी का संकल्प लिया, खुद करके सारी तैयारी, छोड़ गए हैं बाबू जी।

खानदान की परम्पराएं, सदा बनाए रखनी हैं, बेटों पर ये जिम्मेदारी, छोड़ गए हैं बाबू जी।

- अंकित वल्ल

प्रसंगवश

अमेरिका से समझौते को ईरान अपनी जीत क्यों मान रहा है?

आमिर अजीमी

अमेरिका के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) को ईरान का नेतृत्व, पीछे हटने के बजाय प्रतिरोध और जीत का नतीजा बताने की कोशिश कर रहा है। लेकिन लोगों को दलील से सहमत करवाना आसान नहीं है। देश अभी-अभी एक विनाशकारी युद्ध से गुज़रा है, अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है और ईरान के अपने समर्थकों का एक हिस्सा महीनों से वॉशिंगटन के साथ किसी भी समझौते का विरोध करता रहा है। इसके अलावा ईरान के भीतर और बाहर भी ऐसे लोग हैं जो इस संकट को कूटनीति का अवसर नहीं, बल्कि शासन परिवर्तन का मौका मानते हैं। इसी राजनीतिक विरोधाभास की जमीन पर ईरान अब इस समझौते को जीत के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। संसद अध्यक्ष और वार्ता में अहम भूमिका निभाने वाले मोहम्मद बगर गालिबाफ ने कहा कि ईरान ने 'अंतिम जीत की ओर एक लंबा क़दम बढ़ाया है।' राष्ट्रपति मसूद पेजेस्कियान ने एक बड़े परिवर्तन की संभावना के रूप में इस समझौते की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि अगर इसे पूरी तरह लागू किया गया तो यह ईरान की कई समस्याएँ हल कर सकता है और ईरान व मध्य पूर्व में 'एक अलग दुनिया' बना सकता है। गालिबाफ की भूमिका अहम है क्योंकि उन्हें पेजेस्कियान के उदारवादी खेमे से नहीं माना जाता। उनका सार्वजनिक समर्थन यह दिखाता है कि इस समझौते को इस्लामी गणराज्य की अधिक ताकतवर संस्थाओं, यहाँ तक कि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के भीतर भी समर्थन हासिल है। ईरान का नेतृत्व इस समझौते को जीत के रूप में इसलिए भी पेश कर रहा है, क्योंकि ईरान के तर्कों के

अनुसार, अमेरिका और इसराइल अपने मुख्य उद्देश्यों को हासिल करने में नाकाम रहे। वे ईरान को आत्मसमर्पण कराने में असफल रहे, इस्लामी गणराज्य को सत्ता से हटाने में नाकाम रहे, सैन्य कार्रवाई से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म नहीं कर पाए और हिज्जुल्लाह से ईरान के रिश्ते नहीं तोड़ पाए। इसके बजाय, ईरान अब भी वार्ता की मेज पर है, लेबनान को शांति समझौते के दायरे में शामिल किया गया है और प्रतिबंधों में राहत पर चर्चा हो रही है। इस आधिकारिक बयान को ईरान के अंदर चुनौती भी दी जा रही है। संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के उपाध्यक्ष और कट्टरपंथी सांसद ने मसौदा समझौते को ऐसा दस्तावेज़ बताया है जो ईरान को अमेरिका का उपनिवेश बना देगा। उन्होंने वार्ताकारों पर आरोप लगाया कि उन्होंने सर्वोच्च नेता के उस निर्देश की अनदेखी की, जिसमें कहा गया था कि होर्मुज़ स्ट्रेट को शिपिंग के लिए दोबारा न खोला जाए। यह आलोचना व्यवस्था के बाहर से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की निगरानी करने वाली संस्था के भीतर से आई है। कई महीनों से संसद में कट्टरपंथियों, सरकार-समर्थित मीडिया और सरकार-समर्थक सभाओं में यह तर्क दिया जाता रहा है कि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वे इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि युद्ध शुरू होने से ठीक पहले भी कूटनीति जारी थी और कहते हैं कि ट्रंप प्रशासन ने वार्ता को ढाल बनाया, जबकि अमेरिका और इसराइल सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहे थे। उनके लिए वॉशिंगटन के साथ कोई भी समझौता तुष्टिकरण जैसा दिखता है। फिर भी अब इनमें से कुछ आवाज़ें धीमी पड़ती दिख रही हैं। यह संकेत हो सकता है कि आगे बढ़ने का फ़ैसला सरकार के सर्वोच्च स्तर

से मंजूरी पा चुका है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पूरी एकता है। लेकिन असल में अर्थव्यवस्था ने भी ईरान को मजबूर किया है। युद्ध, प्रतिबंध, शिपिंग पर रोक, तेल बाजारों और विदेशी मुद्रा तक सीमित पहुँच, और बहुत ज्यादा महँगाई ने देश और आम ईरानी जनता को निचोड़कर रख दिया है। कई परिवारों के लिए सवाल यह नहीं है कि समझौता जीत जैसा लगता है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या इससे दाम घटेंगे और क्या इससे एक और युद्ध का डर कम होगा। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान अगर अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता है और प्रतिबंधों में ढील दी जाती है तो उसे अरबों डॉलर तक पहुँच मिल सकती है। इससे ईरान समझौते को अमेरिका पर निर्भरता नहीं, बल्कि निवेश और पुनर्निर्माण का रास्ता बताकर पेश कर सकता है। फिर भी जोखिम साफ़ है। शुक्रवार को स्विट्ज़रलैंड में वार्ता शुरू होने की उम्मीद है। सबसे कठिन मुद्दे, ईरान के संवर्धित यूरेनियम का भविष्य, संवर्धन के स्तर की अनुमति, वैरिफ़िकेशन, प्रतिबंधों में राहत, होर्मुज़ और लेबनान, अब भी बातचीत में तय होने बाकी हैं। इसराइल को लेकर भी अनिश्चितता है। ईरान के लिए वॉशिंगटन और इसराइल के बीच दिखती यह खटपट उपयोगी है। लेकिन यही बात समझौते को नाजुक भी बनाती है। अगर इसराइल लेबनान में अभियान जारी रखता है तो ईरान पर प्रतिक्रिया देने का दबाव होगा। अगर अमेरिका इसराइल को रोक नहीं पाता तो समझौते में लेबनान के शामिल होने के ईरान के दावे पर स्थिति साफ़ हो जाएगी।

ईरानी नागरिकों की प्रतिक्रिया बताती है कि जीत के आधिकारिक बयान को एक समान रूप से नहीं लिया जा रहा। एक शख्स ने कहा कि उन्हें एक और इसराइली हमले का बहुत डर था, लेकिन समझौते की खबर सुनने के बाद भी उन्हें 'कोई भरोसा' नहीं है और चिंता है कि अगर वार्ता चलती रही तो देश का ठीक से प्रबंधन होगा या नहीं। शासन-विरोधी एक अन्य ईरानी, जो शुरू में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का समर्थन कर रहे थे, ने पूछा कि अगर अमेरिकी हमले से ईरान में राजनीतिक बदलाव नहीं हुआ तो उससे हासिल क्या हुआ है। हमें उम्मीद थी कि शासन बदल जाएगा। लेकिन तकलीफ़, महँगाई और अर्थव्यवस्था को और ज्यादा नुकसान के अलावा लोगों को क्या मिला? दूसरे कुछ लोगों को सरकार के दृष्टिकोण के प्रति अधिक सहानुभूति थी। एक दर्शक ने ईरान को विजेता बताया और कहा कि युद्ध ने दिखा दिया कि प्रतिबंध 'भीख माँगने' से नहीं, बल्कि ताकत के इस्तेमाल से हटते हैं। एक दूसरे ने समझौते का स्वागत सतर्कता के साथ करते हुए कहा कि यह अस्थायी है, लेकिन हमें कुछ महीनों की राहत और शांति की जरूरत थी। शायद यही सबसे यथार्थवादी निष्कर्ष है। इस्लामी गणराज्य समझौते को जीत के रूप में पेश कर रहा है क्योंकि इसे जरूरत के रूप में बताना आसान नहीं है। लेकिन कई ईरानियों के लिए इसकी सफलता नारों के बजाए इस बात से मापी जाएगी कि युद्ध रुकता है या नहीं, दाम घटते हैं या नहीं, प्रतिबंधों में राहत मिलती है या नहीं, और क्या नेतृत्व अगले दौर को बिना किसी अप्रत्याशित तनाव के संभाल सकेगा? (बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

जंग खत्म, 'डील' पक्की

● तय तारीख से एक दिन पहले हो गया समझौता ● दोनों प्रेसीडेंट ने दस्तखत किए, ट्रंप चिल्लाकर बोले- डील साइन



ईरान ने शर्तें नहीं मानी तो नाकेबंदी फिर लगेगी

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े एमओयू पर साइन किए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन मौजूद थे। डील पर दस्तखत करने के बाद ट्रंप वर्साय पैलेस से बाहर आए। इस दौरान किसी रिपोर्टर ने उनसे पीस डील को लेकर पूछा, तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'डील साइन हो गई है।' ट्रंप के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि अगर ईरान अमेरिका के साथ हुए समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता, तो अमेरिका फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू कर सकता है और उस पर कड़ी नौसैनिक नाकेबंदी दोबारा लगा सकता है। नाटो देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक के बाद हेगसेथ ने पत्रकारों से कहा, राष्ट्रपति पहले ही साफ़ कर चुके हैं कि बातचीत के दौरान अगर ईरान अपने वादे पूरे नहीं करता, तो हम दोबारा कार्रवाई शुरू करने के लिए तैयार रहेंगे।

समझौते के बाद तेल की कीमतों में गिरावट

दुनिया में तेल की कीमत तय करने वाला ब्रेंट क्रूड पिछले तीन दिनों से 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 2 फीसदी गिरकर 78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जंग के दौरान इसकी कीमत 114.44 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई थी। यानी अब यह उस स्तर से करीब 35 डॉलर सस्ता हो चुका है। अमेरिका का कच्चा तेल भी गिरकर करीब 74 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जो तीन महीने का सबसे निचला स्तर है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर मध्यस्थ के तौर पर साइन किए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में पाकिस्तान ने अहम मध्यस्थ की भूमिका निभाई है।

जर्मनी ने लाल सागर में दो जहाज भेजे

जर्मनी ने होर्मुज़ स्ट्रेट में संभावित सैन्य मिशन की तैयारी के तहत दो जहाज लाल सागर की ओर भेजे हैं, जो बाद में होर्मुज़ में बारूदी सुरंगें हटाने के अभियान में मदद करेंगे। यह जानकारी जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरीस पिस्टोरियस ने गुरुवार को दी। पिस्टोरियस ने कहा, इस समय हमारा एक माइन्सवीपर (सुरंग हटानेवाला जहाज) और एक सप्लाइ जहाज स्वेज नहर पार कर लाल सागर की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी माइंस को हटाने के अभियान में शामिल होने के लिए ईरान और ओमान की मंजूरी जरूरी होगी।

ममता बनर्जी को हाई कोर्ट से बड़ा झटका

● बागी गुट के विधायक ऋतब्रत बनर्जी अभी बने रहेंगे नेता विपक्ष



कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने फिलहाल बागी टीएमसी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता बनाए जाने के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हाई कोर्ट ने इस मामले में कोई अंतरिम फैसला नहीं दिया है। इसका मतलब है कि फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी विपक्ष के नेता बने रहेंगे। लेकिन अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली है और मामले की आगे सुनवाई करेगी। बता दें कि टीएमसी एमएलए शोभनदेव ने याचिका दायर की थी।

● 'अब नगर निगम और जिला परिषदों की बारी' - ऋतब्रत को टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था लेकिन विधानसभा के स्पीकर ने उन्हें विपक्ष का नेता नियुक्त किया है। ऋतब्रत बनर्जी ने एक इंटरव्यू में कहा, 'एक बार सांसदों-विधायकों का मामला पूरा होने के बाद हम नगर निकायों की ओर बढ़ेंगे, नगर पालिका, नगर निगम, जिला परिषद और कई जिलों के अध्यक्ष भी हमारे संपर्क में हैं।'

कर्नाटक एमएलसी चुनाव में बीजेपी को लगा बड़ा झटका

● दो विधायकों ने की क्रॉस वोटिंग डीके शिवकुमार ने किया खेल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में विधानपरिषद की सात खाली सीटों के चुनावों में क्रॉस वोटिंग सामने आई है। बीजेपी को चुनावों में असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। पार्टी से कुछ समय पहले निष्कासित किए गए दो विधायकों



ने कांग्रेस के कैंडीडेट के समर्थन में वोट दिया। सात सीटों के लिए कुल आठ उम्मीदवार मैदान में हैं। ऐसे में प्रत्येक उम्मीदवार को जीत के लिए प्रथम वरीयता के 28 वोट चाहिए। कांग्रेस ने पांच कैंडीडेट उतारे हैं। इनमें चार राज्य की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने 5 उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें से चार उम्मीदवार (बी के हरिप्रसाद, तिप्पन्न कामकर्नूर, पी वी मोहन और शिवन्ना मलवल्ली) विधानसभा में संख्या बल के आधार पर आसानी से जीत दर्ज करने की स्थिति में हैं। पांचवें कैंडीडेट की जीत क्रॉस वोटिंग पर टिकी है। भाजपा के दो उम्मीदवारों (रघु कौटिल्य और लिंगराज पाटिल) की जीत तय मानी जा रही है। असली मुकाबला 7वीं सीट के लिए कांग्रेस के विनय कांतिक और जद (एस) के गोविंदराजु के बीच है।

राष्ट्रपति बैतूल में 'आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज के सशक्तिकरण' कार्यक्रम को किया संबोधित

विकास और संस्कृति का संतुलन ही सशक्त और समृद्ध समाज की आधारशिला : राष्ट्रपति मुर्मू

● जनजातीय समाज की जीवन पद्धति मानवता की मार्गदर्शक

बनाती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक जागृति व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति का अनुभव कराती है तथा सकारात्मक सोच को जीवन के उच्च आदर्शों से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि विकास और संस्कृति का संतुलन ही किसी भी सशक्त और समृद्ध समाज की आधारशिला होता है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू बैतूल में आयोजित 'आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण' महासम्मेलन को संबोधित कर रही थी। विकास और संस्कृति का संतुलन ही किसी भी सशक्त और समृद्ध समाज की आधारशिला होता है। शाश्वत विकास वही है जो हमारी जड़ों को मजबूत बनाते हुए, भविष्य की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य



आध्यात्मिक जागृति जनजातीय समाज के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम : राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक मूल्यों के माध्यम से समाज को उन्नत, संस्कारित एवं सम्मानपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने इस भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन के लिए प्रजापिता ब्रह्मकुमारी इंश्रयरी विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त करते हुए संस्था के सभ्य भाई-बहनों को शुभकामनाएं दीं। निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है जब देश का प्रत्येक वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ जाएगी। हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत सुरक्षित और अक्षुण्ण रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रकार के सम्मेलन जनजातीय समाज के आध्यात्मिक उत्थान, सामाजिक उन्नयन और समग्र विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने मध्यप्रदेश शासन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा,

राष्ट्रपति मुर्मू का जीवन संघर्ष और कर्तव्य निष्ठा का अनुपम उदाहरण : केंद्रीय मंत्री उड्डे

केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उड्डे ने कहा कि ओडिशा के एक छोटे से जनजातीय गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँचने वाली राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, संविधान की महानता और सामाजिक समरसता की जीवंत मिसाल हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का म.प्र. आगमन, उत्साह-उमंग बढ़ाने वाला होगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का मध्यप्रदेश आगमन हम सबके लिए गर्व का विषय है। प्रदेश की आर्थिक राजधानी और लोकमता देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी इंदौर में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू का आत्मीय स्वागत और अभिनंदन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को इंदौर में आगवानी के बाद मीडिया से चर्चा में यह विचार व्यक्त किए। स्वास्थ्य तथा जनजातीय कल्याण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में इस बीमारी को संभावना अधिक पायी जाती है और इसके उन्मूलन के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।



भारत-पाक बॉर्डर पर

चाय की थड़ी से हो रही थी साजिश

ऑपरेशनसिंदूरकी जासूसी और यूपीआईफंडिंग

● सैन्य टिकानों को लीक करने का था खेल, जासूस मुस्ताक पर बड़ा खुलासा

साधारण सी दिखने वाली चाय की थड़ी महज रोजी-मूवमेंट होता है। मुस्ताक को जिम्मेदारी दी गई थी कि रोटी का जरिया नहीं, बल्कि भारतीय सेना और बीएसएफ की जासूसी करने का एक सुनियोजित 'सीक्रेट सेंटर' थी।

चाय की दुकान खोलने का मिला था स्पेशल टास्क- जांच एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तानी हैडलर्स ने मुस्ताक अली को विशेष रूप से जैसलमेर के नाचना क्षेत्र में बॉर्डर की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क पर चाय की दुकान खोलने का टास्क दिया था। यह वह मुख्य रास्ता है जहां से सेना और बीएसएफ के वाहनों और जवानों का लगातार

मूवमेंट होता है। मुस्ताक को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह चाय बेचने के बहाने सुरक्षा बलों की गतिविधियों, उनके काफिलों के समय और गाड़ियों की संख्या पर नजर रखे। चिंताजनक खुलासा यह भी हुआ है कि यदि समय रहते मुस्ताक को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तो पाकिस्तानी हैडलर्स की योजना इस चाय की दुकान पर सीक्रेट लाइव वीडियो कैमरा इस्टॉल करने की थी। इसके जरिए सीमा क्षेत्र की सुरक्षा गतिविधियों और सेना के मूवमेंट की लाइव अपडेट सीधे पाकिस्तान में बैठे आकाओं तक पहुंचाई जानी थी।



गूगलएपकैमसे भेजता था सटीक लोकेशन

मुस्ताक अली पिछले करीब 2 सालों से सीमा पार बैठे पाकिस्तानी हैडलर्स के लगातार संपर्क में था। वह जासूसी के लिए गूगल एप कैम मोबाइल एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर रहा था। इस एप की खासियत यह है कि इससे खींची गई तस्वीरों और वीडियो के साथ उस जगह के सटीक अक्षांश और देशांतर यानी को-ऑर्डिनेट्स भी दर्ज हो जाते हैं। मुस्ताक इसी तकनीक से सैन्य टिकानों और सामरिक महत्व की जगहों की तस्वीरें पाकिस्तान भेज रहा था, ताकि किसी भी विपरीत परिस्थिति दौरान टारगेट कर सके।

जांच में सबसे गंभीर बात यह सामने आई है कि जब भारतीय सेना का महत्वपूर्ण ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तब भी मुस्ताक लगातार पाकिस्तानी जासूसों से जुड़ा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि इस दौरान उसने कई बेहद संवेदनशील जानकारी सीमा पार साझा की थी। इसके बदले में उसे यूपीआई के माध्यम से 25 से 30 हजार रुपये के सौंदर्य वित्तीय लेन-देन के सबूत भी मिले हैं, जिसकी गहनता से जांच की जा रही है। मुस्ताक के मोबाइल की जांच करने पर पाकिस्तान में सक्रिय दो प्रमुख एजेंट को-ऑर्डिनेटों खालिद और नजीर अहमद के नंबर मिले हैं। चौकाने वाला तथ्य यह है कि नजीर अहमद कोई और नहीं बल्कि मुस्ताक का सगा फुफेरा भाई (बुआ का बेटा) है, जिसने मुस्ताक को इस जासूसी के दलदल में धकेला और ट्रेनिंग दी थी। सीआईडी इंटेलेजेंस ने मुस्ताक को नाचना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

संक्षिप्त समाचार

संतोष चौबे व डॉ. जवाहर कर्नावट को आज कर्मवीर सम्मान

भोपाल। माधवराव सप्रे संग्रहालय, भोपाल द्वारा अपने 43वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में खंबंदनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, शिक्षाविद, साहित्यकार एवं विश्वसंग के प्रणेता संतोष चौबे एवं विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक तथा वैश्विक हिंदी पत्रकारिता के अध्यक्ष डॉ. जवाहर कर्नावट को कर्मवीर सम्मान प्रदान किया जाएगा। 19 जून को सुबह 10.30 बजे संग्रहालय में आयोजित समारोह में इतिहास एवं पुरातत्व के अध्यक्ष डॉ. सुभाष अत्रे, संस्कृति मर्मज्ञ श्रीराम तिवारी तथा वरिष्ठ पत्रकार नरुल हसन 'नूर' भी सम्मानित होंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश अभिलेखागार के पूर्व संचालक शंभुदयाल गुरू द्वारा प्रदत्त साहित्य से इतिहास प्रभाग का शुभारंभ भी होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल होंगे तथा अध्यक्षता तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्यध्यक्ष रघुनंदन शर्मा करेंगे।



संतोष चौबे व डॉ. जवाहर कर्नावट को आज कर्मवीर सम्मान प्रदान किया जाएगा। 19 जून को सुबह 10.30 बजे संग्रहालय में आयोजित समारोह में इतिहास एवं पुरातत्व के अध्यक्ष डॉ. सुभाष अत्रे, संस्कृति मर्मज्ञ श्रीराम तिवारी तथा वरिष्ठ पत्रकार नरुल हसन 'नूर' भी सम्मानित होंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश अभिलेखागार के पूर्व संचालक शंभुदयाल गुरू द्वारा प्रदत्त साहित्य से इतिहास प्रभाग का शुभारंभ भी होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल होंगे तथा अध्यक्षता तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्यध्यक्ष रघुनंदन शर्मा करेंगे।

20 जून को होगा जल संसाधन क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब अध्यक्ष पद का चुनाव

भोपाल। मध्यप्रदेश सिंचाई (जल संसाधन) विभाग क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब, भोपाल के क्षेत्रीय अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए मतदान 20 जून को होगा। मतदान प्रक्रिया प्रातः 10 से दोपहर 3 बजे तक चलेगी। मतदान समाप्त होते ही मतगणना होगी और परिणामों की घोषणा की जाएगी।

निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से कराने के लिए प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं रीवा क्षेत्र के प्रभारी असद खान को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं निरोध गोस्वामी, वीरेंद्र सोलंकी, उमाकांत वर्मा एवं सौरभ पटेल को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अध्यक्ष पद के चुनाव में जल संसाधन विभाग के भोपाल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी क्लबों के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य अपने मतों का प्रयोग कर सकेंगे। निर्वाचन समिति द्वारा मतदान की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। विभाग एवं निर्वाचन समिति ने सभी मतदाताओं से समय पर मतदान केंद्र पहुंचकर प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। मतदान केंद्र पर सुरक्षा, अनुशासन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। यह निर्वाचन क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब के भविष्य के नेतृत्व के चयन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसके प्रति सदस्यों में उत्साह और रुचि देखी जा रही है।

शिवपुरी के 18 हजार 72 उपभोक्ताओं को मई माह में 17 लाख 52 हजार की छूट

ग्वालियर/शिवपुरी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (ToD) छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में मई 2026 के दौरान शिवपुरी के कुल 18 हजार 72 उपभोक्ताओं को मई माह में 17 लाख 52 हजार रुपये की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (ToD) योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर ऑफर में बिजली उपयोग करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसी क्रम में मई 2026 के दौरान ग्वालियर शहर एवं ग्वालियर ग्रामीण क्षेत्र के कुल 59 हजार 477 उपभोक्ताओं को मई माह में 76 लाख 82 हजार रुपये की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर

भक्तों का भरोसा सर्वोपरि...



राम मंदिर में स्वतंत्र सीईओ की हो नियुक्ति

चंदा चोरी पर नृपेंद्र मिश्र ने कह दी बड़ी बात

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में चढ़ावे और दान में कथित धांधली और फर्जीवाड़े की खबरों और चल रही सीबीआई जांच के बीच राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र ने बड़ी सलाह दी है। हालिया घटनाक्रम से दुखी मिश्रा ने बुधवार को सुझाव दिया कि राम मंदिर ट्रस्ट के कामकाज को सभालने के लिए एक स्वतंत्र सीईओ की नियुक्ति

की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस पद पर किसी पूर्व आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति की जानी चाहिए, ताकि मंदिर का प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो सके। उन्होंने कहा कि इससे राम मंदिर के प्रबंधन को अधिक पेशेवर और पारदर्शी बनाया जा सकता है। एक विशेष इंटरव्यू में नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि राम मंदिर में पारदर्शिता और श्रद्धालुओं का भरोसा सर्वोपरि है।

छोटे जिले जैसा है प्रबंधन का कार्य

प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव मिश्र ने राम मंदिर प्रबंधन की जटिलताओं को फोकस करते हुए बताया कि 71 एकड़ में फैले मंदिर परिसर की गतिविधियाँ किसी छोटे जिले के बराबर हैं, जहां प्रतिदिन लगभग एक लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। लोगों की जरूरतों को सभालना आसान नहीं।

राम मंदिर सनातन धर्म का अंतरराष्ट्रीय प्रतीक

बता दें की सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के तहत नृपेंद्र मिश्र को राम मंदिर निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। उनकी जिम्मेदारी केवल निर्माण तक ही सीमित है, लेकिन उन्हें मंदिर ट्रस्ट का पदेन सदस्य भी बनाया गया है। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी मंदिर निर्माण से आगे अब प्रबंधन और पारदर्शिता में भी है। उन्होंने कहा, यह मंदिर सनातन धर्म का प्रतीक है।

जांच के घेरे में हालिया विवाद

पिछले कुछ समय में भूमि खरीद और दान से जुड़ी शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए मिश्र ने बताया कि एक विशेष जांच दल वर्तमान मामलों की जांच कर रहा है और 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगा। उन्होंने कहा कि दो साल पहले भूमि खरीद को लेकर उठे विवाद के बाद पारदर्शिता बरतने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन अब सामने आए मुद्दे अधिक गंभीर हैं।

भविष्य में किसी भी विवाद की गुंजाइश न रहे

मिश्र ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य और केंद्र सरकार को मंदिर प्रबंधन के इस पेशेवर ढांचे पर जल्द निर्णय लेना चाहिए। उनका यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब राम मंदिर न केवल भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है। मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शासन शैली की भी प्रशंसा की।

इंदौर दौरे पर सीएम का जल, शिक्षा-आईटी पर फोकस

तालाब, स्कूल, आईटी पार्क और धरोहरों का किया निरीक्षण; छात्राओं के साथ खगोलीय लेब भी देखी

इंदौर (नप्र)। सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को इंदौर दौरे के दौरान शहर में जल संरक्षण, शिक्षा, आईटी विकास और ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने खंडवा रोड स्थित लिंबोदी तालाब पहुंचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चल रहे जीर्णोद्धार और सौंदर्यकरण कार्य का निरीक्षण किया, बड़ा गणपति स्थित शासकीय शारदा कन्या स्कूल में छात्राओं से संवाद कर खगोलीय प्रयोगशाला देखी, निर्माणाधीन आईटी पार्क-3 का निरीक्षण कर प्रदेश को आईटी हब बनाने का रोडमैप साझा किया, वीरगढ़ी हनुमान मंदिर की प्राचीन बावड़ी के संरक्षण के निर्देश दिए और किला मैदान पहुंचकर वीरगंगा रानी लक्ष्मीबाई को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में प्राचीन श्री वीरगढ़ी हनुमान मंदिर की गो शाला में गोमाता की पूजा कर गुड़-चारा खिलाया।

लिंबोदी तालाब पर श्रमदान-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा रोड स्थित करीब 100 साल पुराने लिंबोदी तालाब के जीर्णोद्धार कार्यों का अवलोकन करते हुए कहा कि जल है तो कल है, जल ही जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण और स्वच्छता दोनों जरूरी हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेशभर में अब तक 2 लाख से अधिक जल संरक्षण कार्य किए जा चुके हैं। महोपरी पुष्पमित्र भागवत ने कहा कि अमृत 2.0 योजना के तहत तालाबों में स्टोन बोल्डर पिचिंग, टो-बॉल, रिलिंग, इको-फ्रेंडली पाथवे और स्टोन बेंच जैसे विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माणाधीन आईटी पार्क-3 का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी आईटी और सेवा क्षेत्र का केंद्र बनाने का संकल्प है और उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन इसका ग्रोथ इंजन बनेगा।

नीट रीएजाम

आखिर इतना हंगामा क्यों बरपा है...

2 दिन में 4 नीट स्टूडेंट ने किया सुसाइड

● अब गुजरात का छात्र छठी मंजिल से कूदा ● तमिलनाडु की छात्रा ने लिखा-दोबारा एग्जाम से डर

कोयंबटूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में नीट की तैयारी कर रही 19 साल की छात्रा अनुकीर्तना ने बुधवार सुबह जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले छात्रा ने अपने चाचा और करीबी रिश्तेदारों को वॉट्सएप मैसेज भेजे थे। मैसेज में उसने लिखा- 'मैंने नीट परीक्षा दी थी और मेडिकल कॉलेज में एडमिशन का इंतजार कर रही थी, लेकिन परीक्षा कैसिल हो गई। अब दोबारा परीक्षा देने से डर लग रहा है। मेरे पापा ने मुझ पर बहुत पैसा खर्च किया है, मैं अब उनका सामना कैसे करूंगी, नहीं जानती।' वहीं, अहमदाबाद के न्यू राणीप इलाके में बुधवार रात करीब 2.30 बजे 17 साल के

कोयंबटूर स्थित घर के कमरे में बेहोश मिली थी छात्रा- अनुकीर्तना कोयंबटूर के कोवईपुर स्थित पार्क टाउन की रहने वाली थी। उसके पिता सेथिल प्रदु प्रदु यूनिन के जिला सचिव हैं। दो बेटियों में अनुकीर्तना बड़ी थी। उसने एटिटरमर्ड के एक प्राइवेट स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई की थी। डॉक्टर बनकर गरीबों की मदद करना उसका सपना था। हालांकि, पेपर लीक के कारण नीट परीक्षा रद्द होने और 21 जून को री-एग्जाम की घोषणा से वह गहरे सदमे में आ गई थी। बुधवार सुबह उसने रिश्तेदारों को एक लंबा वॉट्सएप मैसेज भेजा। छात्रा का मैसेज पढ़ने के बाद परिजन उसके घर पहुंचे। कमरे का दरवाजा तोड़ने पर वह बेहोश मिली। परिवार ने केंद्रीय मंत्री का इस्तीफा मांगा- छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन ने छात्रा का शव लेने से इनकार कर दिया। बाद में अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद बुधवार रात उन्होंने शव लिया। परिवार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मप्रधान के इस्तीफे की मांग की है। घटना के बाद डीएमके के जिला समिति सदस्यों ने अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया और नीट पर बैन लगाने की मांग उठाई। इधर पुलिस ने छात्रा का मोबाइल फोन जब्त कर जांच शुरू कर दी है। नीट परीक्षा 3 मई 2026 को देश भर में आयोजित की गई थी।

उद्धव की बैठक में नहीं पहुंचे 6 सांसद

● जिसने कमी पलटी नहीं मारी वह भी बना बागी

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) में एक और फूट की खबरों के बीच लोगों का सारा ध्यान पार्टी के नौ सांसदों में से उन छह सांसदों पर केंद्रित हो गया है जिनके अलग होने की आशंका है। गुरुवार को दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक में ये छह सांसद मौजूद नहीं थे। इनमें संजय जाधव, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अश्रिफ, भाऊसाहेब वाकचौरे, संजय दीना पाटिल और ओमप्राजे निंबालकर शामिल हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में इन सांसदों ने उद्धव (सांसदों की बगलत बदल देगी शिंदे-फडणवीस के

समीकरण) को भाजपा के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद की थी, जब कई लोगों को उम्मीद थी कि 2022 में शिवसेना में हुए विभाजन के बाद शिवसेना (यूबीटी) को संघर्ष करना पड़ेगा, क्योंकि इससे शिवसेना संगठनात्मक रूप से कमजोर हो गई थी। 56 वर्षीय संजय जाधव परभणी से शिवसेना के तीन बार के यूबीटी सांसद हैं। जाधव पार्टी और ठाकरे परिवार के वफादारों में से एक रहे हैं। जाधव का शिवसेना यूबीटी के लिए एक महत्वपूर्ण झटका इसलिए है, क्योंकि जून 2022 में विभाजन के बाद वह उद्धव के साथ बने रहे।



दूसरी मजिल से युवक गिरा, मौत हुई

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में निर्माणधीन मकान की दूसरी मजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक अपने दोस्त से मिलने गया था, तभी हादसे का शिकार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में मामला दुर्घटनावश गिरने का प्रतीत हो रहा है। बाणगंगा पुलिस के अनुसार नंदबाग कॉलोनी निवासी रवि गुर्जर (35) पुत्र प्रेमलाल गुर्जर की गुरुवार सुबह एमवाय अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। रात्रि को कुछ दिन पहले गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि रात्रि शनिवार को अपने मित्र गोपाल से मिलने एक निर्माणधीन मकान में पहुंचा था। गोपाल वहां टाइल्स लगाने का काम कर रहा था।

मकान के नाम पर साढ़े 5 लाख ठगे

इंदौर। खुद को वकील बताने वाले युवक ने मकान दिलाने का भरोसा देकर पीड़ित से 5 लाख 60 हजार रुपए हड़प लिए। आजाद नगर पुलिस के मुताबिक रामनगर निवासी कपिल उईके ने नीलगिरी परिसर दूधिया निवासी दीपक शर्मा के खिलाफ शिकायत करते हुए बताया कि आरोपी ने उसकी मां अवंती बाई के नाम से आवास योजना में मकान दिलाने का आश्वासन दिया था। दीपक, कपिल और उसकी मां को कोर्ट परिसर स्थित फैंटीन ले गया, जहां एक महिला के माध्यम से योजना का आवेदन भरवाया गया। फिर उसने मां के मोबाइल में 311 ऐप डाउनलोड कर विश्वास दिलाया कि मकान संबंधी जानकारी इसी ऐप पर उपलब्ध होगी। कुछ समय बाद आरोपी ने बताया कि योजना का मकान किसी अन्य युवक को बेचा जा सकता है। 10 जून को वह उन्हें कलेक्टर कार्यालय ले गया, जहां कथित खरीदार से सीदा तय कराया। इस दौरान खरीदार पक्ष ने साढ़े 5 लाख रुपए दिए, जबकि बाकी रकम मां के खाते में जमा कराने की बात कही। दीपक उनके घर पहुंचा और रुपए ले लिए। अगले दिन वह एक महिला के साथ फिर घर आया और सत्यापन प्रक्रिया का हवाला देकर रुपए बाहर रखने को कहा। इसके बाद दीपक उसे निगम कार्यालय लेकर गया। वहां से रुपए वाला बैग ले गया। जब जानकारी ली तो नकदी गायब मिली।

अच्छी बारिश के लिए वर्षा यज्ञ कराया

इंदौर। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच अच्छी बारिश की कामना को लेकर संस्था मित्र सारथी ने वर्षा यज्ञ का आयोजन किया। राजकुमार मिल स्थित प्राचीन 64 योगिनी मरी माता मंदिर परिसर में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित इस यज्ञ में भगवान शिव, इंद्र देव और वरुण देव के पर्याप्त वर्षा की प्रार्थना की गई। संस्था अध्यक्ष बंटी भोरुडे और सचिव सोनू काशिद ने बताया कि अच्छी वर्षा और पर्यावरण संतुलन के लिए यज्ञ का विशेष महत्व माना गया है। यज्ञ में विधायक महेंद्र हाडिया और एमआईसी सदस्य नंदकिशोर फहाड़िया ने आहुति देकर इंद्र देवता से अच्छी बारिश की कामना की। संस्था ने आगामी दिनों में पौधा रोपण और जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाने की घोषणा भी की। इस अवसर पर यशवंत काशिद, गोविंद सिंह महलोल, बाबू यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

मूक-बधिर बालक को मिला नया सहारा

इंदौर। रेलवे स्टेशन पर कई दिनों से असहाय स्थिति में रह रहे 10 वर्षीय मूक-बधिर बालक को सामाजिक संस्था ने सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया। महाकाल सेवा फाउंडेशन के सदस्य प्रियाशु पांडे ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि 10 वर्षीय बालक रेलवे स्टेशन परिसर में रहकर जीविकोपार्जन कर रहा है। बालक बोलने और सुनने में असमर्थ है, जिससे उसकी पहचान और परिजनों तक पहुंचना भी चुनौतीपूर्ण था। किसी संभावित दुर्घटना या अनहनी की आशंका को देखते हुए जीआरपी थाना प्रभारी ने संस्था से सहायता मांगी। सूचना मिलते ही रोहन तावड़े, आदर्श गंगराड़े, भविष्य पटेल और नीरज चौहान के साथ जीआरपी थाने पहुंचे। वहां जानकारी मिली कि बालक 48 घंटे से अधिक समय से थाने के संरक्षण में था, लेकिन उसके संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी थी। संस्था सदस्यों ने रात 11 बजे कलेक्टर से संपर्क किया। जानकारी मिलने पर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश जारी किए।

पत्नी से विवाद के बाद फांसी लगाई

इंदौर। पारिवारिक विवाद के चलते पत्नी तीन माह पहले मायके चली गई थी। कई बार पति ने उसे घर लौटने को कहा, लेकिन वह नहीं आई। इससे वह तनाव में रहने लगा। परेशान होकर सोमवार को उसने जहर खाकर जान दे दी। मृतक का नाम कैलाश (51) पिता करणसिंह चौहान निवासी बड़ियाकीमा है। खुडेल पुलिस के अनुसार, कैलाश की पत्नी विमला राऊ स्थित मायके में रह रही थी। दो दिन पहले भी वह पत्नी को लेने ससुराल पहुंचा था, जहां पत्नी ने नौकरी करने और अलग रहने की बात कककर साथ आने से इनकार कर दिया था। इस बात को लेकर वह परेशान रहता था। उसके तीन बच्चे हैं, जिनमें से एक बेटा उसके साथ रह रहा था, जबकि दो बच्चे पत्नी के साथ थे। परिजनों की मानें तो पूर्व में इस विवाद को लेकर ससुराल पक्ष के लोगों ने कैलाश के साथ मारपीट भी की थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

लिंबोदी तालाब गहरा और सुंदर होगा

इंदौर। भूजल संवर्धन को लेकर निगम लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में लिंबोदी तालाब के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। बुधवार को महापौर ने स्थल का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान महापौर ने कहा कि तालाब में अमृत योजना के अंतर्गत 5.50 करोड़ रुपए से गहरीकरण, वॉल पिचिंग और सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। आगामी वर्षा ऋतु में तालाब की जल भंडारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। तालाब भरने के बाद इसका अतिरिक्त जल बिलावली तालाब तक भी पहुंचेगा, जिससे क्षेत्र के जल स्रोतों को मजबूती मिलेगी। भविष्य में यहां व्यापक स्तर पर पौधा रोपण भी किया जाएगा, जिसके बाद यह क्षेत्र एक सुंदर और रमणीय स्थल के रूप में विकसित होगा।

रिमूवल कार्रवाई के बाद तत्काल उठाएं मलबा

इंदौर। पिछले दिनों मास्टर प्लान की सड़कों के लिए कई मकानों को तोड़ा गया था। इन मकान का मलबा तत्काल हटाया जाए। यह निर्देश निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने निर्माणधीन मास्टर प्लान सड़कों एवं संबंधित विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आना चाहिए। नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। आयुक्त ने जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा के मध्य निर्माणधीन पुलिया कार्य, जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तिराहा एवं मधुमिलन चौराहा से छवनी तक निर्माणधीन मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया।

अनिका के इलाज पर हाई कोर्ट की सरल्ट टिप्पणी, 'क्या ये बच्ची लाइली बहना नहीं'

इंदौर। गंभीर बीमारी से जूझ रही हाई वर्षीय अनिका के इलाज का मामला अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ तक पहुंच गया है। बच्ची को बचाने के लिए करीब 9 करोड़ रुपए कीमत के एक विशेष इंजेक्शन की आवश्यकता है। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल किया कि क्या यह बच्ची प्रदेश की लाइली बहना नहीं है। अनिका की ओर से अधिवक्ता चंचल गुप्ता और लखन शर्मा ने अदालत में पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि यदि लाइली बहना योजना की प्रत्येक हितग्राही को मिलने वाली राशि में केवल 2 रुपए की कटौती कर दी जाए तो अनिका के उपचार के लिए जरूरी पूरी रकम आसानी से जुटाई जा सकती है और एक मासूम की जान बचाई जा सकती है।

अनिका कठिन लड़ाई लड़ रही

सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि अनिका समय के साथ एक कठिन लड़ाई लड़ रही है। उसकी स्थिति ऐसी है कि वह पिछले कई महीनों से केवल लिफ्टिड डाइट पर निर्भर है। चिकित्सकों के अनुसार जिस इंजेक्शन की उसे आवश्यकता है, उसे लगाने के लिए बच्ची का वजन 13 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए। ऐसे में उपचार के लिए हर दिन महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कॉलेज छात्र ने फांसी लगाई, परिजनों का प्रेमिका पर ब्लैकमेल का आरोप

मोबाइल चैट में पैसों की मांग मिलने का दावा, फोन जब्त, जांच शुरू

इंदौर। गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक कॉलेज छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों ने एक युवती पर छत्र को मानसिक रूप से परेशान करने, ब्लैकमेल करने और लगातार पैसों की मांग करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए मृतक का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक गोमतीगरी निवासी राहुल झरने (21) पुत्र संतोष झरने वैष्णव कॉलेज में थर्ड ईयर का छात्र था। मंगलवार को वह घर पर अकेला था। शाम के समय उसकी मां काम से लौटकर घर पहुंची तो राहुल को फंदे पर लटका पाया। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों का कहना है कि राहुल का क्षेत्र में रहने वाली एक युवती से लंबे समय से प्रेम संबंध था। उनका आरोप है कि युवती लगातार राहुल से रुपए मांग रही थी और उस पर आर्थिक दबाव बना रही थी।

परिवार के मुनाबिक राहुल के मोबाइल में मिली अंतिम चैट में भी युवती द्वारा पैसों की मांग किए जाने की बात सामने आई है।

सीमित आर्थिक स्थिति

मृतक के पिता संतोष झरने सरिया सेटिंग का काम करते हैं, जबकि उसकी मां घरों में खाना बनाकर परिवार का पालन-पोषण करती हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी मजदूरी से जुड़े हुए हैं। परिजनों का आरोप है कि सीमित आर्थिक स्थिति के बावजूद राहुल पर लगातार पैसों के लिए दबाव बनाया जा रहा था, जिससे वह तनाव में रहने लगा था। गांधी नगर पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह जानने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मोबाइल फोन और चैट रिकॉर्ड की पड़ताल के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बच्चों के आपसी विवाद पर तूल, लसूड़िया पुलिस की कार्रवाई पर सवाल

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र के सिंगोपुर टाउनशिप स्थित राधाकृंज और सिंगोपुर ग्रीन व्यू कॉलोनी के बीच बने गार्डन को लेकर हुए विवाद के बाद पुलिस के रवैये पर रहवासी सवाल उठा रहे हैं। लोगों को रात 2 बजे तक एफआईआर के लिए रोक कर रखा गया। जानकारी के मुताबिक, 15 जून की शाम 7.30 बजे गार्डन में बच्चों के खेलने को लेकर दोनों कॉलोनियों के लोगों में कहासुनी हो गई। राधा कृंज कॉलोनी के रहवासियों का आरोप है कि अनूप मिश्रा, आरती मिश्रा, रोहन कुशवाह और मोहित ने बच्चों को गार्डन में प्रवेश करने से रोका। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और गाली-गलौज हुई। घटना के बाद प्रदीप, पंकज, जितेंद्र, प्रवीण समेत अन्य रहवासी शिकायत दर्ज कराने लसूड़िया थाने पहुंचे।

रात 2 बजे तक इंतजार

रहवासियों का आरोप है कि रात 8 बजे हुई घटना की शिकायत दर्ज कराने के बावजूद उन्हें रात 2 बजे

तक थाने में बैठकर रखा गया। महिलाओं और छोटे बच्चों को भी घंटों थाने में इंतजार करना पड़ा। जिस मामले की रिपोर्ट तत्काल दर्ज हो सकती थी, उसके लिए पूरी रात थाने में रुकना पड़ा। इसे लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

शिकायतकर्ताओं को भटकाया

16 जून को उन्हें सब इंस्पेक्टर सोमनाथ मौर्य ने फोन कर बुलाया। पहले थाने आने को कहा गया, फिर लोहा मंडी पहुंचने के निर्देश दिए गए। वहां पहुंचने पर संबंधित अधिकारी मौजूद नहीं मिले। इसके बाद लोगों को निपानिया क्षेत्र के चैकिंग पॉइंट पर बुलाया गया। आरोप है कि उन्हें पूरे दिन अलग-अलग स्थानों पर भेजा जाता रहा। मामले में पुलिस का कहना है कि बच्चों के खेलने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। दोनों पक्षों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है।

50 हजार का कर्ज, साढ़े 3 लाख की वसूली, दबाव में आत्महत्या

महिला सूदखोर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में सूदखोरी से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति की आत्महत्या के बाद पुलिस ने महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है कि ब्याज के नाम पर लाखों रुपए वसूलने के बावजूद महिला लगातार रकम की मांग कर रही थी, जिससे परेशान होकर व्यक्ति ने जहर खा लिया। पुलिस के अनुसार नंदबाग निवासी राजेश साहू पुत्र छानलाल साहू ने 13 मार्च को जहरीला पदार्थ खा लिया था। उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की और परिजनों के बयान दर्ज किए। जांच के दौरान मृतक के बेटे अजय साहू तथा अन्य परिवारजनों ने बताया कि राजेश साहू ने कुछ समय पहले नंदबाग निवासी रोशनी साहू से 50 हजार रुपए उधार लिए थे। आरोप है कि इसके बदले रोशनी साहू ब्याज के नाम पर करीब 3 लाख 50 हजार रुपए वसूल चुकी थी। इसके बावजूद वह लगातार और रकम की मांग कर रही थी तथा राजेश पर भुगतान के लिए दबाव बना रही थी।



आर्थिक दबाव में आत्महत्या

परिजनों के मुताबिक लगातार हो रहे तकादों और आर्थिक दबाव के कारण राजेश मानसिक रूप से बेहद परेशान रहने लगे थे। घटना वाले दिन भी वह अपनी लोडिंग गाड़ी में बेसुध अवस्था में मिले थे। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनके बेटे अजय साहू ने उनकी पहचान की थी। मामले की जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और परिजनों के बयानों के आधार पर बाणगंगा पुलिस ने रोशनी साहू के खिलाफ सूदखोरी अधिनियम तथा प्रताड़ना से संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस अब पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

इंदौर से अबुधाबी के लिए सीधी उड़ान 17 जुलाई से, सप्ताह में 4 दिन जाएगी

शारजाह की जगह नया रूट, एयर इंडिया एक्सप्रेस की बुकिंग शुरू



सप्ताह में 4 दिन चलेगी

नई उड़ान सप्ताह में 4 दिन संचालित होगी। यह सेवा रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उपलब्ध रहेगी। एयरलाइन ने शुरुआती एकतरफा क्रियारा 16 हजार से 17 हजार रुपए के बीच निर्धारित किया है। इससे इंदौर और यूएई के बीच यात्रा करने वाले लोगों को समय और खर्च दोनों की बचत होगी। व्यापारिक गतिविधियों तथा पारिवारिक कारणों से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह खुशिया विशेष रूप से उपयोगी मानी जा रही है। यह होगा उड़ान का समय - आईएक्स-247 उड़ान इंदौर से शाम 7:50 बजे रवाना होगी और यूएई के स्थानीय समयानुसार रात 9:35 बजे अबुधाबी पहुंचेगी। इस यात्रा में लगभग सवा 3 घंटे का समय लगेगा। वापसी में यही उड़ान अबुधाबी से स्थानीय समयानुसार रात 10:35 बजे प्रस्थान करेगी और भारत की समयानुसार रात 3.20 बजे इंदौर पहुंचेगी। लौटने की यात्रा की अवधि भी करीब सवा 3 घंटे रहेगी।

प्रदेश अध्यक्ष अमोल कटारिया ने कहा कि शारजाह सेवा के लगातार टलने और अंततः बंद होने से यात्रियों के साथ ट्रेवल एजेंट्स

भी निराश थे। अब अबुधाबी के लिए सीधी उड़ान शुरू होने से यूएई जाने वालों को बेहतर विकल्प मिलेगा।

11 बदमाश जिले से बाहर भेजे, 5 को देना होगी रोज थाने पर हाजरी

पुलिस कमिश्नर ने जारी किए

आदेश, तत्काल अमल किया गया

इंदौर। शहर में बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण करने पुलिस बदमाशों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी के चलते पुलिस कमिश्नर ने 11 बदमाशों को जिलाबंद और 5 को थाना हाजिरी के आदेश दिए। आदेश के अनुसार, अनस उर्फ मंजरा पिता असगर उर्फ गुड्डू पठान निवासी हबीब कॉलोनी (अवधि 1 साल), सफरजाज पिता अब्दुल शहजाद निवासी मल्लार पट्टन (अवधि 3 माह), अमित उर्फ काला पिता राजकुमार सोनकर निवासी पवनपुरी कालोनी (अवधि 6 माह), प्रदीप उर्फ भानजा पिता गोपीनाथ मिश्रा निवासी हुकमाखेड़ी (अवधि 3 माह), सुमित उर्फ विठ्ठल पिता किशोर त्रिपाठी निवासी समर्थ सिटी (अवधि 3 माह), राज उर्फ भूरा उर्फ चोटी पिता विनोद ठाकुर निवासी शिवाजी नगर (अवधि 6 माह), विशाल उर्फ

चिंरौजी पिता दशरथ बिज्जोर निवासी नर्सिंग की चाल पाटनीपुरा (अवधि 3 माह), दीपक उर्फ भूरा पिता सत्यनारायण माली निवासी पीपल की चाल कुलकर्णी का भट्टा (अवधि 3 माह), अभिषेक उर्फ बाबू पिता मनीष कल्याण निवासी उषा फाटक बंद रोड (अवधि 6 माह), आशीष पिता मनोहर कौशल निवासी राधा गोविंद का बगीचा (अवधि 6 माह) तथा लकी पिता राजू कुशवाह निवासी देव नगर थाना को तीन माह के लिए जिला बंद किया है। जबकि, मुज्जु उर्फ मुजफ्फर रहमान पिता अब्दुल निवासी कडवा घाट (अवधि एक वर्ष), नौमान उर्फ अरमान पिता इरफान फारुकी निवासी कादर कालोनी (अवधि 6 माह), हेमंत उर्फ लाला पिता दशरथ निवासी नेहरू नगर (अवधि एक वर्ष), लखन पिता शिवलाल जाटव निवासी राऊ (अवधि 6 माह) तथा जितेंद्र पिता किशोरी लाल सिलावट निवासी पारसी मोहल्ला छह माह तक संबंधित थानों में हाजिरी देंगे।

राजा की मां के सोनम के परिवार पर बेटी को बचाने के सीधे आरोप

राजा हत्याकांड की दोबारा सीबीआई जांच की मांग उठाई



की हत्या क्यों की। इस सवाल का जवाब अब तक सामने नहीं आया है।

भरे बेटे का क्या कसूर

भावुक होते हुए राजा की मां ने कहा कि सोनम ने साजिश के तहत उनका बेटा छिन लिया है। सोनम ने पूरे घटनाक्रम के दौरान लगातार झूठ बोला और योजनाबद्ध तरीके से सब कुछ अंजाम दिया। एक मां के लिए अपने बेटे को खोने का दर्द शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता और वह केवल बेटे के लिए न्याय चाहती हैं। उन्होंने आरोप लगाया

कि सोनम का पूरा परिवार उसके साथ खड़ा है। उसके माता-पिता और भाई आर्थिक मदद पहुंचा रहे हैं। सोनम के पिता शिरालॉन गए थे। वहां उसकी मां द्वारा बनवाया गया तबीज पहनाया गया। परिवार विभिन्न माध्यमों से उसे बचाने की कोशिश कर रहा है।

मां से वीडियो कॉल पर रोज बात

मां ने यह भी आरोप लगाया कि सोनम के पास महंगा मोबाइल है। यह फोन परिवार की ओर से दिया गया है। वह रोजाना अपनी मां से वीडियो कॉलिंग पर बातचीत करती है। कोर्ट में उसका व्यवहार किसी आरोपी की तरह नहीं दिखाई देता।

मुद्दा

सोनाली सिंह

सहायक प्राध्यापक, आईटीएम विवि ग्वालियर



भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य पर चर्चा अक्सर मातृत्व, कुपोषण, एनीमिया और प्रजनन स्वास्थ्य तक सीमित रह जाती है। लेकिन महिलाओं के जीवन का एक ऐसा चरण भी है, जो लगभग हर महिला के जीवन में आता है, फिर भी वह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा नहीं बन पाता। यह चरण है- मेनोपॉज। विडंबना यह है कि जिस विषय से देश की आधी आबादी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होती है, उसके बारे में जानकारी, संवाद और संवेदनशीलता का गंभीर अभाव दिखाई देता है। परिणामस्वरूप लाखों महिलाएं अपने जीवन के इस महत्वपूर्ण दौर को समझने के बजाय चुपचाप सहने के लिए विवश रहती हैं।

मेनोपॉज को सामान्यतः मासिक धर्म के स्थायी रूप से बंद हो जाने की प्रक्रिया के रूप में देखा जाता है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह सही है, लेकिन सामाजिक और मानवीय दृष्टि से यह परिभाषा अधूरी है। दरअसल, मेनोपॉज केवल एक जैविक परिवर्तन नहीं, बल्कि महिला के जीवन में आने वाला एक बहुआयामी बदलाव है, जिसका प्रभाव उसके शरीर, मन, सामाजिक संबंधों, कार्यक्षमता और आत्मविश्वास तक पड़ता है। यही कारण है कि विकसित देशों में अब इसे केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि 'कॉलॉजि ऑफ लाइफ' यानी जीवन की गुणवत्ता से जुड़े विषय के रूप में देखा जाने लगा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में हर वर्ष करोड़ों महिलाएं मेनोपॉज की अवस्था में प्रवेश करती हैं। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक विश्व में लगभग 1.2 अरब महिलाएं पोस्ट-मेनोपॉज अवस्था में होंगी। यह संख्या केवल एक जनसांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि एक सामाजिक चुनौती का संकेत है। भारत में भी महिलाओं की औसत आयु बढ़ने के कारण जीवन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा मेनोपॉज के बाद बीत रहा है। इसके बावजूद हमारी स्वास्थ्य नीतियों, सार्वजनिक चर्चाओं और मीडिया विमर्श में अक्सर महिला को देखभाल करने वाली की भूमिका में देखा जाता है, देखभाल पाने वाली की नहीं। वह बच्चों, पति, माता-पिता और परिवार की जरूरतों का ध्यान रखती है, लेकिन अपनी शारीरिक और मानसिक

परेशानियों को अक्सर पीछे छोड़ देती है। मेनोपॉज के दौरान भी यही स्थिति देखने को मिलती है। गर्मी के तीव्र झोंके, अनिद्रा, मानसिक तनाव, मूड में बदलाव, अवसाद, जोड़ों का दर्द और हड्डियों की कमजोरी जैसे लक्षणों को महिलाएं अपनी नियत मानकर स्वीकार कर लेती हैं।

दरअसल, हमारे समाज में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर जो चुप्पी है, वह मेनोपॉज के मामले में और अधिक गहरी हो जाती है। किशोरावस्था में मासिक धर्म पर बात करने में संकोच होता है और मध्य आयु में मेनोपॉज पर। परिणामस्वरूप महिला अपने जीवन के दो महत्वपूर्ण जैविक चरणों में पर्याप्त जानकारी और सहयोग से वंचित रह जाती है। यह स्थिति केवल ग्रामीण भारत तक सीमित नहीं है। शिक्षित और शहरी वर्ग में भी मेनोपॉज पर खुलकर चर्चा करने की संस्कृति अभी विकसित नहीं हो पाई है।

दुनिया के कई देशों ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है। ब्रिटेन में बड़ी कंपनियों और सरकारी संस्थानों ने 'मेनोपॉज पॉलिसी' लागू की है। वहां कार्यस्थलों पर महिलाओं को परामर्श, स्वास्थ्य सहायता और लचीले कार्य घंटे जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। जापान में मेनोपॉज से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। इन देशों ने समझ लिया है कि यदि महिलाओं के जीवन के इस चरण की उपेक्षा की गई,

तो उसका प्रभाव केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि उत्पादकता, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण पर भी पड़ेगा।

भारत में स्थिति अलग है। यहां अभी भी मेनोपॉज को व्यक्तिगत अनुभव मानकर छोड़ दिया जाता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में इस विषय पर अपेक्षित ध्यान नहीं



दिया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी महिलाओं को मेनोपॉज संबंधी परामर्श बहुत कम मिलता है। जबकि वास्तविकता यह है कि मध्यम आयु की महिलाओं की स्वास्थ्य आवश्यकताएं किशोरियों और गर्भवती महिलाओं से कम महत्वपूर्ण नहीं हैं।

यदि हम आदिवासी महिलाओं की स्थिति को देखें, तो यह चिंता और बढ़ जाती है। देश के अनेक जनजातीय क्षेत्रों में महिलाएं कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं और आर्थिक अभाव के बीच जीवन

बिताती हैं। उनके लिए मेनोपॉज कोई चिकित्सकीय शब्द नहीं, बल्कि जीवन का ऐसा अनुभव है जिसे बिना समझे और बिना सहायता के सहन करना पड़ता है। कई आदिवासी समुदायों में महिलाओं को यह भी ज्ञात नहीं होता कि शरीर में हो रहे बदलाव एक सामान्य जैविक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। पोषण की कमी, लगातार शारीरिक श्रम और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच उनकी समस्याओं को और जटिल बना देती है।

यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है, क्या हम महिलाओं के स्वास्थ्य को केवल मातृत्व तक सीमित करके देख रहे हैं? यदि हां, तो यह दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। किसी भी समाज की प्रगति केवल इस बात से नहीं मापी जाती कि वह बच्चों और युवाओं की कितनी चिंता करता है, बल्कि इस बात से भी कि वह अपने नागरिकों के प्रति कितना जागरूक और उत्तरदायी है। मेनोपॉज कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक संवेदनशीलता और लैंगिक समानता से जुड़ा विषय है। इसे चुप्पी, संकोच और उपेक्षा के दायरे से बाहर निकालकर संवाद और जागरूकता के केंद्र में लाने की आवश्यकता है। जब महिलाओं को सही जानकारी, सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं और परिवार तथा समाज का सहयोग मिलेगा, तभी वे जीवन के इस महत्वपूर्ण चरण को आत्मविश्वास और गरिमा के साथ जी सकेंगी। आधी आबादी के स्वास्थ्य और सम्मान को सुनिश्चित किए बिना किसी भी विकसित और समावेशी समाज की कल्पना अधूरी रहेगी।

महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा है।

मीडिया की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिस तरह पिछले कुछ वर्षों में मासिक धर्म, स्तन कैंसर और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषय सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बने हैं, उसी तरह मेनोपॉज को भी मुख्यधारा के विमर्श में स्थान मिलना चाहिए। दुर्भाग्य से यह विषय अभी भी समाचारों और जनजागरूकता अभियानों में बहुत कम दिखाई देता है। जबकि मीडिया यदि चाहे तो लाखों महिलाओं तक सही जानकारी पहुंचाने और समाज

की सोच बदलने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। आवश्यकता केवल चिकित्सकीय सलाह की नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता की भी है। परिवारों को यह समझना होगा कि मेनोपॉज के दौरान महिला जिन शारीरिक और भावनात्मक परिवर्तनों से गुजरती है, वे वास्तविक हैं और उन्हें समझे जाने की आवश्यकता है। कार्यस्थलों को भी महिलाओं की इस अवस्था के प्रति संवेदनशील बनना होगा। स्वास्थ्य नीतियों में मध्य आयु की महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान किए जाने चाहिए। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए।

मेनोपॉज को लेकर सबसे बड़ी चुनौती अज्ञानता नहीं, बल्कि चुप्पी है। जब तक समाज इस विषय पर खुलकर बात नहीं करेगा, तब तक लाखों महिलाएं अनावश्यक शारीरिक और मानसिक कष्ट झेलती रहेंगी। समय आ गया है कि हम मेनोपॉज को केवल एक चिकित्सकीय घटना के रूप में नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता से जुड़े प्रश्न के रूप में देखें।

किसी भी समाज की प्रगति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों या तकनीकी विकास से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी आंकी जाती है कि वह अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं और जीवन के संवेदनशील चरणों के प्रति कितना जागरूक और उत्तरदायी है। मेनोपॉज कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक संवेदनशीलता और लैंगिक समानता से जुड़ा विषय है। इसे चुप्पी, संकोच और उपेक्षा के दायरे से बाहर निकालकर संवाद और जागरूकता के केंद्र में लाने की आवश्यकता है। जब महिलाओं को सही जानकारी, सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं और परिवार तथा समाज का सहयोग मिलेगा, तभी वे जीवन के इस महत्वपूर्ण चरण को आत्मविश्वास और गरिमा के साथ जी सकेंगी। आधी आबादी के स्वास्थ्य और सम्मान को सुनिश्चित किए बिना किसी भी विकसित और समावेशी समाज की कल्पना अधूरी रहेगी।

जयंती पर विशेष

संत गुरु हरगोबिन्द सिंह

शिवकुमार शर्मा

स्वतंत्र लेखक



सिख पंथ की गौरवशाली परंपरा में दश संत हुए हैं जिन्होंने न केवल समाज में आध्यात्मिक ज्ञान का आलोक फैलाया है अपितु समाज को सद्भाव, समरसता, सामाजिक एकता, मजबूत संगठनात्मक शक्ति सेवा, समर्पण और स्वाभिमान से जीने का मार्ग भी दिखाया है। गुरु नानक देव जी सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु थे। इनके बाद गुरु अंगद देव जी दूसरे गुरु बने, जिन्होंने 'गुरुमुखी लिपि' का विकास किया। तीसरे गुरु अमर दास जी जिन्होंने सती प्रथा और पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों का विरोध किया। गुरु राम दास जी चौथे गुरु हुए जिन्होंने अमृतसर की नींव रखी। गुरु अर्जुन देव जी पांचवें गुरु थे जिन्होंने स्वर्ण मंदिर (हरमंदिर साहिब) का निर्माण करवाया। इसी परम्परा में छठे गुरु हुए गुरु हरगोबिंद सिंह जी उनका जन्म 19 जून 1595 को अमृतसर के पास 'गुरु की बडाली' नामक गांव में हुआ था। वे पांचवें गुरु, श्री गुरु अर्जुन देव जी और माता गंगा जी के इकलौते पुत्र

थे। उनके पिता गुरु अर्जुन देव जी को मुगल सम्राट जहांगीर के आदेश पर शहीद कर दिया गया। इस घटना से गुरु हरगोबिन्द जी के जीवन की दिशा ही परिवर्तित हो गयी।

1606 ई. में मात्र 11 वर्ष की आयु में वे सिखों के गुरु बने। गुरु पद ग्रहण करते समय उन्होंने केवल आध्यात्मिक नेतृत्व ही नहीं, बल्कि समाज की रक्षा का संकल्प भी लिया। उन्होंने शास्त्र और शास्त्र दोनों की शिक्षा ली। उनके व्यक्तित्व में संत और सैनिक दोनों के गुण विद्यमान थे। इसी कारण उन्हें 'संत-सिपाही' परंपरा का प्रवर्तक माना जाता है। गुरु साहिब ने सिखों को आध्यात्मिक रूप से मजबूत करने के साथ-साथ शारीरिक और सैन्य रूप से भी तैयार किया। उन्होंने दो तलवारों पहनीं- 'पीरी' (आध्यात्मिक शक्ति) और 'मोरी' (राजनीतिक/सैनिक शक्ति)। गुरु हरगोबिन्द जी का जीवन केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने धर्म की रक्षा, समाज की सुरक्षा और अन्याय के विरोध का भी मार्ग दिखाया।

1609 में, उन्होंने हरिमंदिर साहिब के समीप 'अकाल तख्त साहिब' (सदाकाल के तख्त) की नींव रखी। यह सिखों की सर्वोच्च धार्मिक और राजनीतिक संस्था का केंद्र बना। गुरु हरगोबिन्द जी ने सिखों को



युद्धकला का प्रशिक्षण देना आरम्भ किया। उन्होंने युद्धस्वारी, तलवारबाजी और अस्त्र-शस्त्र के अभ्यास को प्रोत्साहित किया। उनके पास एक सुसंगठित सेना थी। उन्होंने अनेक किले और सुरक्षा व्यवस्थाएं स्थापित कीं। उनका उद्देश्य किसी पर आक्रमण करना नहीं था, बल्कि अत्याचार और अन्याय से रक्षा करना था। उन्होंने

सिखों में आत्मविश्वास और वीरता का संचार किया।

गुरु हरगोबिन्द सिंह की प्रेरणा से श्री अकाल तख्त साहिब का भी भव्य अस्तित्व निर्मित हुआ। देश के विभिन्न भागों की संगत ने गुरु जी को भेंट स्वरूप शस्त्र एवं घोड़े देने प्रारम्भ किए। अकाल तख्त पर कवि और ढाड़ियों ने गुरु-यश व वीर योद्धाओं की गाथाएं गानी प्रारम्भ की। लोगों में मुगल सल्तनत के प्रति विद्रोह जागृत होने लगा। गुरु हरगोबिन्द साहिब नानक राज स्थापित करने में सफलता की ओर अग्रसर हुए। जहांगीर ने सिखों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए गुरु हरगोबिन्दसाहिब को ग्वालियर के किले में बन्दी बना लिया। इस किले में और भी कई राजा, जो मुगल सल्तनत के विरोधी थे, पहले से ही कारावास में रह रहे थे। गुरु हरगोबिन्दसाहिब लगभग तीन वर्ष ग्वालियर के किले में बन्दी रहे। महान सूफ़ी फकीर मीरामीर गुरु घर के श्रद्धालु थे। जहांगीर की पत्नी नूरजहाँ मीरामीर की सेविका थीं। इन लोगों ने भी जहांगीर को गुरु जी की महानता और प्रतिभा से परिचित करवाया। बाबा बुड्डा व भाई गुरुदास ने भी गुरु साहिब को बन्दी बनाने का विरोध किया। जहांगीर ने केवल गुरु जी को ही ग्वालियर के किले से आजाद नहीं किया, बल्कि उन्हें यह स्वतंत्रता भी दी कि वे 52 राजाओं को भी अपने साथ लेकर जा

सकते हैं। इसीलिए सिख इतिहास में गुरु जी को बन्दी छोड़ दाता कहा जाता है। ग्वालियर में इस घटना का साक्षी गुरुद्वारा दाता बन्दी छोड़ है। अपने जीवन मूल्यों पर दृढ़ रहते गुरु जी ने शाहजहाँ के साथ मुगलों के दमन और अत्याचार के खिलाफ उन्होंने पहली बार सिखों को हथियार उठाने के लिए प्रेरित किया और कई युद्धों (जैसे रोहिल्ला, करतारपुर, अमृतसर (1634), हरगोबिन्दपुर, गुरुसर, कीरतपुर की लड़ाइयां) में मुगल सेनाओं को हराया।

उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष उन्होंने कीरतपुर साहिब में बिताए। 1644 में, वे ज्योति जात समा गए और उनके छोटे सुपुत्र (गुरु) तेग बहादुर जी बाद में सिखों के नौवें गुरु बने। गुरुद्वारा पातालपुरी गुरु जी की याद में आज भी हजारों व्यक्तियों को शान्ति का संदेश देता है। भाई गुरुदास ने गुरु हरगोबिन्द साहिब की गौरव गाथा में लिखा है -

'पंज पिआले पंजपीर छट्प्यौर बैटा गुरु भारी, अर्जुन काया पलट के मूरत हरगोबिन्द स्वारी, चली पीढ़ी सोडियां रूप दिखावन वारो-वारी, दल भंजन गुरु सूरमा बडयोद्धा बहु-परउपकारी।' भारत की माटी के तेजस्वी योद्धा संत गुरु हरगोबिन्द सिंह को शत-शत नमन।

आध्यात्मिक ज्ञान और संगठन शक्ति का अद्भुत समन्वय

थे। उनके पिता गुरु अर्जुन देव जी को मुगल सम्राट जहांगीर के आदेश पर शहीद कर दिया गया। इस घटना से गुरु हरगोबिन्द जी के जीवन की दिशा ही परिवर्तित हो गयी।

1606 ई. में मात्र 11 वर्ष की आयु में वे सिखों के गुरु बने। गुरु पद ग्रहण करते समय उन्होंने केवल आध्यात्मिक नेतृत्व ही नहीं, बल्कि समाज की रक्षा का संकल्प भी लिया। उन्होंने शास्त्र और शास्त्र दोनों की शिक्षा ली। उनके व्यक्तित्व में संत और सैनिक दोनों के गुण विद्यमान थे। इसी कारण उन्हें 'संत-सिपाही' परंपरा का प्रवर्तक माना जाता है। गुरु साहिब ने सिखों को आध्यात्मिक रूप से मजबूत करने के साथ-साथ शारीरिक और सैन्य रूप से भी तैयार किया। उन्होंने दो तलवारों पहनीं- 'पीरी' (आध्यात्मिक शक्ति) और 'मोरी' (राजनीतिक/सैनिक शक्ति)। गुरु हरगोबिन्द जी का जीवन केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने धर्म की रक्षा, समाज की सुरक्षा और अन्याय के विरोध का भी मार्ग दिखाया।

1609 में, उन्होंने हरिमंदिर साहिब के समीप 'अकाल तख्त साहिब' (सदाकाल के तख्त) की नींव रखी। यह सिखों की सर्वोच्च धार्मिक और राजनीतिक संस्था का केंद्र बना। गुरु हरगोबिन्द जी ने सिखों को



युद्धकला का प्रशिक्षण देना आरम्भ किया। उन्होंने युद्धस्वारी, तलवारबाजी और अस्त्र-शस्त्र के अभ्यास को प्रोत्साहित किया। उनके पास एक सुसंगठित सेना थी। उन्होंने अनेक किले और सुरक्षा व्यवस्थाएं स्थापित कीं। उनका उद्देश्य किसी पर आक्रमण करना नहीं था, बल्कि अत्याचार और अन्याय से रक्षा करना था। उन्होंने

सिखों में आत्मविश्वास और वीरता का संचार किया।

गुरु हरगोबिन्द सिंह की प्रेरणा से श्री अकाल तख्त साहिब का भी भव्य अस्तित्व निर्मित हुआ। देश के विभिन्न भागों की संगत ने गुरु जी को भेंट स्वरूप शस्त्र एवं घोड़े देने प्रारम्भ किए। अकाल तख्त पर कवि और ढाड़ियों ने गुरु-यश व वीर योद्धाओं की गाथाएं गानी प्रारम्भ की। लोगों में मुगल सल्तनत के प्रति विद्रोह जागृत होने लगा। गुरु हरगोबिन्द साहिब नानक राज स्थापित करने में सफलता की ओर अग्रसर हुए। जहांगीर ने सिखों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए गुरु हरगोबिन्दसाहिब को ग्वालियर के किले में बन्दी बना लिया। इस किले में और भी कई राजा, जो मुगल सल्तनत के विरोधी थे, पहले से ही कारावास में रह रहे थे। गुरु हरगोबिन्दसाहिब लगभग तीन वर्ष ग्वालियर के किले में बन्दी रहे। महान सूफ़ी फकीर मीरामीर गुरु घर के श्रद्धालु थे। जहांगीर की पत्नी नूरजहाँ मीरामीर की सेविका थीं। इन लोगों ने भी जहांगीर को गुरु जी की महानता और प्रतिभा से परिचित करवाया। बाबा बुड्डा व भाई गुरुदास ने भी गुरु साहिब को बन्दी बनाने का विरोध किया। जहांगीर ने केवल गुरु जी को ही ग्वालियर के किले से आजाद नहीं किया, बल्कि उन्हें यह स्वतंत्रता भी दी कि वे 52 राजाओं को भी अपने साथ लेकर जा

सकते हैं। इसीलिए सिख इतिहास में गुरु जी को बन्दी छोड़ दाता कहा जाता है। ग्वालियर में इस घटना का साक्षी गुरुद्वारा दाता बन्दी छोड़ है। अपने जीवन मूल्यों पर दृढ़ रहते गुरु जी ने शाहजहाँ के साथ मुगलों के दमन और अत्याचार के खिलाफ उन्होंने पहली बार सिखों को हथियार उठाने के लिए प्रेरित किया और कई युद्धों (जैसे रोहिल्ला, करतारपुर, अमृतसर (1634), हरगोबिन्दपुर, गुरुसर, कीरतपुर की लड़ाइयां) में मुगल सेनाओं को हराया।

उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष उन्होंने कीरतपुर साहिब में बिताए। 1644 में, वे ज्योति जात समा गए और उनके छोटे सुपुत्र (गुरु) तेग बहादुर जी बाद में सिखों के नौवें गुरु बने। गुरुद्वारा पातालपुरी गुरु जी की याद में आज भी हजारों व्यक्तियों को शान्ति का संदेश देता है। भाई गुरुदास ने गुरु हरगोबिन्द साहिब की गौरव गाथा में लिखा है -

'पंज पिआले पंजपीर छट्प्यौर बैटा गुरु भारी, अर्जुन काया पलट के मूरत हरगोबिन्द स्वारी, चली पीढ़ी सोडियां रूप दिखावन वारो-वारी, दल भंजन गुरु सूरमा बडयोद्धा बहु-परउपकारी।' भारत की माटी के तेजस्वी योद्धा संत गुरु हरगोबिन्द सिंह को शत-शत नमन।

विश्व सिकल सेल दिवस

प्रो. मनोज कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।



16 साल की छात्रा सुनीता खेलना चाहती है लेकिन जल्दी थक जाने से उसका मन उदास रहता है। इसके बावजूद वह निराश नहीं है और डॉक्टर की सलाह मानकर फिलहाल पढ़ाई पर ध्यान दे रही है। वहीं 24 साल की संगीता का कहना था कि शादी के बाद मुझे पता चला कि मुझे सिकलसेल है। पहले तो डर लग गया था, लेकिन धीरे-धीरे मैं इसे समझना शुरू किया। गर्भावस्था के समय ज्यादा सावधानी रखनी पड़ी। परिवार का सहयोग मिला तो जीवन थोड़ा आसान हो गया। परेशान तो 18 के साल का रमेश भी है और उसे लगता था कि ऐसा क्या हुआ कि उसका किसी काम में मन नहीं लगता। शरीर में असहनीय दर्द होने लगा लेकिन डॉक्टर के परामर्श के बाद समय पर दवा लेने और लगातार पानी पीने से वह बेहतर महसूस कर रहा है। ये वो सारे लोग हैं जिन्हें सिकलसेल रोग ने घेर रखा है। (सभी परिवर्तित नाम) बचपन से लेकर उम्रदराज होते लोगों में यह बीमारी पायी जाती है। यह ऐसी अदृश्य और गंभीर आनुवंशिक चुनौती है, जिसके बारे में आज भी समाज में जागरूकता की भारी कमी है। अक्सर लोग इसे सामान्य एनीमिया (खून की कमी) समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यह एक जटिल वंशानुगत रक्त विकार है। 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में यूनाइटेड नेशन ने 2008 में मान्यता दी थी। इसका उद्देश्य सिकल सेल रोग को एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचान दिलाना और इसके प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस सिकल सेल रोग के बारे में लोगों को जागरूक करने, समय पर जांच और उपचार को बढ़ावा देने तथा रोग से प्रभावित लोगों के प्रति

संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

यह बीमारी न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ती है, बल्कि उनके परिवारों और पूरे समाज के आर्थिक-सामाजिक ढांचे को भी गहराई से प्रभावित करती है। भारत जैसे देश में, जहाँ की एक बड़ी आबादी आज भी ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रहती है, इस बीमारी का सही समय पर निदान और प्रबंधन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुका है। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिकलसेल के खिलाफ अभियान की शुरुआत की थी। तय किया गया है कि आने वाले 2047 तक देश को सिकलसेल रोग मुक्त बनाया जाएगा।

यहाँ जान लेना जरूरी है कि सिकल सेल रोग आखिर है क्या? इस बारे में डॉक्टरों के अनुसार शरीर में रक्त का प्रवाह लाल रक्त कोशिकाओं के माध्यम से होता है। सामान्य स्थिति में ये कोशिकाएं गोल, चिकनी और लचीली होती हैं, जो ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के सभी अंगों तक आसानी से पहुँचाती हैं। गोल आकार के कारण ये खून की अत्यंत पतली नसों में भी बिना किसी रुकावट के तैरती रहती हैं। इसके विपरीत, सिकल सेल रोग से पीड़ित व्यक्ति के शरीर में ये कोशिकाएं कड़क, चिपचिपी और हँसिए के आकार की हो जाती हैं। आकार में आए इस दोषपूर्ण बदलाव के कारण शरीर में मुख्य रूप से दो बड़ी समस्याएं उत्पन्न होती हैं-रक्त प्रवाह में अवरोध, हँसिए के आकार की कड़क कोशिकाएं लचीली नहीं होतीं।

जब ये छोटी रक्त वाहिकाओं से गुजरती हैं, तो आपस में उलझकर नस को ब्लॉक कर देती हैं। इसके शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन और पोषण नहीं पहुँच पाता, जिससे असहनीय दर्द का दौरा पड़ता है। इसे चिकित्सकीय भाषा में 'सिकल सेल क्राइसिस' (Sickle Cell Crisis) कहा जाता



है। क्रोनिक एनीमिया (खून की कमी) एक सामान्य गोल लाल रक्त कोशिका का जीवनकाल लगभग 120 दिनों का होता है। वहीं, सिकल सेल वाली दोषपूर्ण कोशिकाएं इतनी कमजोर होती हैं कि वे मात्र 10 से 20 दिनों में ही टूटकर नष्ट हो जाती हैं। बोन मैरो (अस्थि मज्जा) इतनी तेजी से नई कोशिकाओं का निर्माण नहीं कर पाता, जिसके परिणामस्वरूप मरीज के शरीर में हमेशा खून की भारी कमी बनी रहती है।

बीमारी के प्रमुख लक्षण और प्रभावसिकल सेल के लक्षण बचपन में ही (लगभग 5 से 6 महीने की उम्र में) दिखाई देने लगते हैं। इसके पीड़ित को तीव्र और असहनीय दर्द इस बीमारी का सबसे भयानक रूप है। नसों में रुकावट के कारण हड्डियों, सीने, पीठ, हाथ और पैरों में अचानक तेज

आँखों में पीलापन (पीलिया) आ जाता है। पीड़ित बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास भी सामान्य बच्चों की तुलना में धीमा होता है। यह भी कि सिकल सेल रोग केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि यह प्रभावित परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में धकेल देता है। इस बीमारी के इलाज के लिए जीवनभर दवाइयां (जैसे हाइड्रोक्सीयूरिया), नियमित रक्त परीक्षण और बार-बार ब्लड ट्रांसफ्यूजन (रक्त चढ़ाने) की आवश्यकता होती है। कई बार ग्रामीण और गरीब परिवारों के लिए यह मासिक खर्च उनके बजट से बाहर होता है। मरीज की देखभाल के लिए परिवार के कमाऊ सदस्यों को अपनी मजदूरी या नौकरी बंद करना और प्रतिभा से परिचित करवाया। बाबा बुड्डा व भाई गुरुदास ने भी गुरु साहिब को बन्दी बनाने का विरोध किया। जहांगीर ने केवल गुरु जी को ही ग्वालियर के किले से आजाद नहीं किया, बल्कि उन्हें यह स्वतंत्रता भी दी कि वे 52 राजाओं को भी अपने साथ लेकर जा

सकते हैं। इसीलिए सिख इतिहास में गुरु जी को बन्दी छोड़ दाता कहा जाता है। ग्वालियर में इस घटना का साक्षी गुरुद्वारा दाता बन्दी छोड़ है। अपने जीवन मूल्यों पर दृढ़ रहते गुरु जी ने शाहजहाँ के साथ मुगलों के दमन और अत्याचार के खिलाफ उन्होंने पहली बार सिखों को हथियार उठाने के लिए प्रेरित किया और कई युद्धों (जैसे रोहिल्ला, करतारपुर, अमृतसर (1634), हरगोबिन्दपुर, गुरुसर, कीरतपुर की लड़ाइयां) में मुगल सेनाओं को हराया। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष उन्होंने कीरतपुर साहिब में बिताए। 1644 में, वे ज्योति जात समा गए और उनके छोटे सुपुत्र (गुरु) तेग बहादुर जी बाद में सिखों के नौवें गुरु बने। गुरुद्वारा पातालपुरी गुरु जी की याद में आज भी हजारों व्यक्तियों को शान्ति का संदेश देता है। भाई गुरुदास ने गुरु हरगोबिन्द साहिब की गौरव गाथा में लिखा है -

'पंज पिआले पंजपीर छट्प्यौर बैटा गुरु भारी, अर्जुन काया पलट के मूरत हरगोबिन्द स्वारी, चली पीढ़ी सोडियां रूप दिखावन वारो-वारी, दल भंजन गुरु सूरमा बडयोद्धा बहु-परउपकारी।' भारत की माटी के तेजस्वी योद्धा संत गुरु हरगोबिन्द सिंह को शत-शत नमन।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर और मुख्य सचिव अनुराग जैन ने हितग्राहियों से किया संवाद; बदनावर में 'जनकल्याण शिविर' में 1036 आवेदन प्राप्त हुए

राजस्व विभाग ने ओटा विवाद, रास्ता विवाद, नामांतरण और बंटवारा जैसी जटिल समस्याओं को मौके पर ही सुलझाकर ग्रामीणों को दी बड़ी राहत

धार। जनपद पंचायत बदनावर में आयोजित 'जनकल्याण शिविर' आज आमजन के लिए राहत और खुशियों लेकर आया। केंद्र और राज्य सरकार की मंशानुसार, प्रशासन को सीधे जनता के द्वार पर ले जाने के इस अभिनव प्रयास में सुशासन की एक ऐतिहासिक तस्वीर देखने को मिली। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर एवं मध्य प्रदेश शासन के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने संवाद कर योजनाओं और आत्मीयता के साथ आम नागरिकों से सीधा संवाद किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि जनकल्याण शिविर शासन और जनता के बीच विश्वास एवं जीवंत संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है। इन शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान उनके द्वार पर ही सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को बिना किसी दमन के चक्र काटे शासन की सेवाओं का सहज लाभ मिल सके। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध सेवा वितरण के निर्देश दिए। उन्होंने हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के लाभ की जानकारी प्राप्त की और कहा कि शासन की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक विकास और



कल्याणकारी योजनाओं का लाभपहुंछाना है। सुशासन की इस महा-पहल के तहत शिविर में विभिन्न विभागों से प्राप्त कुल 1036 आवेदनों को न केवल पंजीकृत किया गया। तत्परता दिखाते हुए सभी 1036 आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही की गई तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल प्रमाण-पत्र और हितलाभ सौंपे गए।

शिविर का सबसे सकारात्मक और राहतकारी पहलू राजस्व विभाग के काउंटर पर देखने को मिला। ग्रामीणों के जीवन को सुगम बनाने की दिशा में तत्परता दिखाते हुए राजस्व अमले ने कुल 98 प्रकरणों का मौके पर

ही शत-प्रतिशत निराकरण किया। वषों से लंबित रहने वाले आपसी रास्ता विवाद के 2 प्रकरण, बंटवारा के 2, ओटा विवाद का 1 और अवैध कब्जे का 1 प्रकरण आपसी सहमति और प्रशासनिक कुशलता से तुरंत सुलझा लिया गया। इसके साथ ही, रजिस्ट्री नामांतरण के 9, फ़ौटी नामांतरण के 5, सामान्य नामांतरण के 2, वसीयत व दान रजिस्ट्री नामांतरण के 1-1 प्रकरण का मौके पर ही संपादन कर सीधे तौर पर किसानों और ग्रामीणों की चिंता दूर की गई। ई-टोकन, सीमांकन, नक्शा शुद्धिकरण और बैंक में जमा राशि वापस प्राप्त

करने के आवेदनों पर भी अधिकारियों ने तत्काल निर्णय लेकर ग्रामीणों को तत्काल राहत दी, जिससे जनता का भरोसा प्रशासन पर और अधिक मजबूत हुआ।

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी यह शिविर मौल का पत्थर साबित हुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग की लाइली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत रिकॉर्ड 306 बेटियों को लाभान्वित किया गया, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की लखपति दीदी योजना के तहत 149 महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त किया गया। किसानों को समृद्धि का संवल देते हुए सहकारिता विभाग द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड के 215 आवेदनों को स्वीकृत व नवीनीकृत किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग की प्रसूति सहायता योजना से 145 माताओं को सीधे तौर पर आर्थिक सुरक्षा मिली। सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से 87 वृद्धजनों और दिव्यांगों को पेंशन व कुत्रिम अंग वितरित किए गए, जिससे उनके जीवन में नई सुगमता आई।

इस गरिमायुगी और ऐतिहासिक अवसर पर पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, नगर पालिका अध्यक्ष मीना शेखर यादव, कलेक्टर राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पूरे समय मुस्तेद रहे।

मंत्री सावित्री ठाकुर ने मनावर को दी आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की सौगात



धार। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री तथा धार-महू लोकसभा क्षेत्र की सांसद सावित्री ठाकुर ने आज धार जिले के मनावर विकासखंड में आयोजित जन कल्याण शिविर के अंतर्गत नवनिर्मित 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन का विधि-विधान से शुभारंभ कर उसे आम जनता को समर्पित किया। इस सर्वसुविधायुक्त चिकित्सालय भवन का निर्माण लगभग 95.1.21 लाख रुपये की लागत से किया गया है। लोकार्पण अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार

नागरिकों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने कहा कि मनावर में निर्मित यह आधुनिक अस्पताल क्षेत्र की स्वास्थ्य अधीनस्थानों को मजबूत करेगा। इस सर्वसुविधायुक्त अस्पताल के प्रारंभ होने से अब मनावर सहित आसपास के सुदूर ग्रामीण अंचलों के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होंगी। अब गंभीर एवं सामान्य उपचार के लिए क्षेत्रवासियों को दूरस्थ बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे नागरिकों के समय और आर्थिक संसाधनों दोनों को बचत होगी।

बिना संबंधों के पैदा नहीं होता समर्पण, संघर्ष और त्याग: पं. मनावर

भारत भारती में समर्थ शिशु श्रीराम कथा के संबंधों पर दिए प्रवचन

बैतूल। हमारा भारत देश संबंध निभाने वाला देश है। यहां पर धरती को माँ का दर्जा दिया जाता है। इसके अलावा नदियों को भी माँ माना जाता है। हमारे देश में भगवान से पुत्र और पति के रूप में भी रिश्ता बनाया जाता है। एक प्रवचन भारत भारती शिक्षा समिति के तत्वावधान में आयोजित समर्थ शिशु श्रीराम कथा के तीसरे दिन पं. श्याम स्वरूप मनावर ने दिए। पं. मनावर ने भारत की शक्ति का वृत्तांत बताते हुए कहा कि भारत संबंधों का देश है। यहां संपूर्ण जीवन संबंधों से बंधा हुआ है। हमने भूमि को भी भूमि मात्र नहीं कहा बल्कि उसे माँ के रिश्ते में बांधकर मातृभूमि कहा। हमने गंगा, गीता, गायत्री को भी माँ कहा है। क्योंकि अपना देश संबंधों पर निर्भर करता है। 16 साल का खुदीराम बोस इस इस्लामि फांसी के फंदे पर झूल गया क्योंकि वह भारत को अपनी माँ मानता था। बिना संबंधों के समर्पण, संघर्ष और त्याग नहीं पैदा होता।

माँ का भाव जाग्रत करता है वंदेमातरम मंत्र- वंदेमातरम वह



मंत्र है जिसमें अपनी भूमि के प्रति माँ का भाव जाग्रत होता है। वह संबंधों की ही शक्ति है भारत देश में परमात्मा को भी पुत्र बना लिया जाता है। महाराज मनु ने परमात्मा को पुत्र बना लिया, तो महाराज हिमाचल ने जगदंबा को अपनी बेटी बना लिया। राजस्थान की धरती की भक्तिमति मीरा जी ने भगवान को अपना पति बना लिया। यह संबंधों की ही ताकत है की वह पूर्ण ब्रह्म परमात्मा छड़िया भर छछ के लिए गोपियों के सामने नृत्य करता है।

श्रेष्ठ संतान की उत्पत्ति पर होना चाहिए विचार- पंडित मनावर ने कहा कि ईश्वर के साथ

संबंध बनाकर उसे ही पुत्र के रूप में प्राप्त करने की कामना करना जो ईश्वर जैसा पुत्र प्राप्त करना चाहता है वह भगवान की भक्ति के माध्यम से ईश्वर को अपना बेटा बन सकता है। श्रेष्ठ संतान उत्पत्ति की भूमिका रखते हुए कथा व्यास पंडित श्याम मनावर ने कहा की कहा हमने गेहूँ,धान और चना का उत्पादन ठीक कैसे हो? इस पर तो कई युनिवर्सिटी काम कर रही है, परंतु श्रेष्ठ संतान की उत्पत्ति पर विचार करना ही आवश्यक नहीं समझा गया। संतान श्रेष्ठ नहीं होगी तब तक दुनिया की समस्त भौतिक वस्तुओं का न कोई सदुपयोग है न ही कोई महत्व है।

राष्ट्रपति के बैतूल प्रवास पर आने के दौरान रास्ते किए बंद, लोगों की पुलिस से हुई बहसबाजी

बैतूल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बैतूल प्रवास के दौरान शहर में चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। शहर के चौक चौराहों पर सुरक्षा के तहत पुलिस की कड़ी व्यवस्था थी। जगह-जगह वाहनों के साथ ही लोगों के पैदल आवागमन को रोक दिया गया था। इस दौरान कुछ लोगों की पुलिसकर्मीयों से बहसबाजी भी हुई। कोर्टीबाजार में फूल विक्रेता को पूजा के लिए फूल देने जाना था लेकिन रास्ता बंद होने के कारण वापस लौटना पड़ा। पालकों को अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने जाने के दौरान दिक्कतें हुईं। हालांकि स्कूल की प्राथमिकता को देखते हुए पुलिस ने पालक और बच्चे को जाने दिया। शहर में कई जगहों पर ऐसे ही नजारे थे।



जनजातीय महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की राष्ट्रपति ने की प्रशंसा

लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित महासम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ने विभिन्न प्रदर्शनी एवं स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने विशेष रूप से मोटे अनाज एवं अन्य खाद्य पदार्थों से तैयार 18 प्रकार के पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और उनकी सराहना की। राष्ट्रपति ने गौशालाओं द्वारा निर्मित उत्पादों सहित अन्य स्टॉलों का भी अवलोकन किया तथा उत्पाद तैयार करने वाले समूहों और जनजातीय महिलाओं को निरंतर आगे बढ़ने एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

'एक वृक्ष मां के नाम' अभियान के तहत किया रुद्राक्ष का पौधरोपण

बैतूल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक वृक्ष मां के नाम' अभियान के अंतर्गत रुद्राक्ष/कल्पतरु का



पौधरोपण किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीजु बैतूल केंद्र की प्रभारी मंजू दीदी ने राष्ट्रपति को शॉल तैयार किया-चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति के आगमन पर 7 सदस्यीय कलाकारों द्वारा आकर्षक और मनमोहक स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रपति ने इस ऐतिहासिक आयोजन के सफल संचालन के लिए ब्रह्माकुमारीजु बैतूल की प्रभारी मंजू दीदी, बीके तरुण तथा कार्यक्रम से जुड़े आयोजकों की सराहना की।

कांग्रेस ने बैतूल जिले के 29 ब्लॉक-उपब्लॉकों में नियुक्त किए प्रभारी

जिला अध्यक्ष अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन महासचिव ने जारी की 29 प्रभारियों की सूची

बैतूल। जिला कांग्रेस कमेट्री बैतूल ने बड़ा संगठनात्मक फैसला लेते हुए जिले के सभी ब्लॉक, नगर एवं उपब्लॉकों के लिए 29 प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष नित्य डगा के नेतृत्व में कांग्रेस संगठन को और अधिक सक्रिय, सक्रिय एवं जिम्मेदारी बनाने के उद्देश्य से जिले के सभी ब्लॉक एवं उपब्लॉकों में प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। संगठन महासचिव वृजभूषण पांडे द्वारा जारी सूची के अनुसार बैतूल नगर का प्रभारी खुंदाल जेधे, बैतूल ग्रामीण भद्र झरे, आठनेर में गजानंद खंडाले, आठनेर नगर अशोक लोखंडे, बैतूलबाजार नगर संजय शरद वर्मा, घोड़ाडोंगरी ब्लॉक कन्हैया राठौर, चोपना उपब्लॉक अमरेश मंडल, पाहर उपब्लॉक मुकेश

मालवीय, भौरा उपब्लॉक अंबिका मिश्रा, शाहपुर ब्लॉक राकेश साहू, चिचोली ब्लॉक संतोष बटनू पटेल, चिचोली नगर सुधीर जैवाल तथा शाहपुर नगर में धर्मेश शुक्ला को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार घोड़ाडोंगरी नगर में ललित शर्मा, भैंसदेही बबन राठौर, भीमपुर राजकुमार रायपुरे, दमजीपुरा उपब्लॉक के लिए धनु धुवै, हिडली उपब्लॉक के लिए मधु कुमरे, भैंसदेही नगर के लिए राज धांडसे, आमला ब्लॉक नीरज सोनी, सारनी ब्लॉक सुरेश पंड्या, सारनी ग्रामीण ज्ञानेश्वर पाटिल, बोरेदेही उपब्लॉक सुरेश साहू तथा आमला नगर में साविर शाह को प्रभारी नियुक्त किया गया है। सूची में मुलताई ब्लॉक के लिए संजय यादव, दुनावा उपब्लॉक के लिए कुबेर सिंह रघुवंशी, प्रभात पट्टन डॉ.

विजय देशमुख, मासोद उपब्लॉक में शिवचरण साहू तथा मुलताई नगर के लिए कमल सोनी को जिम्मेदारी दी गई है। राजनीतिक जाचकर इसे कांग्रेस की आगामी चुनावी रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं, जिसके जरिए चुनावी बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय कर जनसंपर्क अभियान को गति देना चाहती है। जिला कांग्रेस कमेट्री के प्रवक्ता लवलेश बब्बा राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला कांग्रेस नेतृत्व संगठन को गांव, वार्ड और बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। नव नियुक्त प्रभारियों को जल्द ही क्षेत्रवार जिम्मेदारियों सौंपकर जनसमस्याओं, सदस्यता अभियान और संगठन विस्तार की गतिविधियों में सक्रिय किया जाएगा।

ई-विकास प्रणाली से अब सभी पात्र किसानों को मिलेगा खाद

बैतूल। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की संयुक्त बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों, कृषि योजनाओं तथा उर्वरक वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उड्डेक, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक भैंसदेही महेंद्र सिंह चौहान, विधायक मुलताई चंद्रशेखर देशमुख, विधायक आमला डॉ योगेश पंडाग्रे, जिला विकास

सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खरीफ सीजन 2026 के लिए खाद की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था, नगरीय विकास कार्यों तथा विभिन्न समूह सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जनप्रतिनिधियों ने मेढ़ा एवं गढ़ा समूह सिंचाई परियोजनाओं के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को समय पर सिंचाई सुविधाओं का लाभ मिल सके। बैठक

में जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुकुर को प्रदेश के सबसे बड़े पर्यटन केंद्रों में विकसित करने की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों में आ रही बाधाओं का त्वरित निराकरण कर समयसमया में कार्य पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए।

बैठक में उप संचालक कृषि ने बताया कि खरीफ 2026 में ई-विकास प्रणाली (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) के माध्यम से जिले के विभिन्न श्रेणी के किसानों को खाद उपलब्ध कराया जाएगा।

सोहागपुर ब्लड बैंक ग्रुप ने कराया 4 सौ वां रक्तदान

सोहागपुर। सोहागपुर ब्लड बैंक ग्रुप ने विगत दिवस 4सौ वां रक्तदान नर्मदापुरम में करावाया। उक्त सोहागपुर ब्लड ग्रुप के माध्यम से ओ नेगेटिव की आवश्यकता पड़ने पर सोहागपुर ब्लड बैंक के रेगुलर डोनेटर हेमो नामदेव ने मोटरसाइकिल से जाकर रक्तदान किया। सोहागपुर ब्लडग्रुप के संचालक ताज खां ने बताया कि इस वाट्सएप ग्रुप में करीबन एक हजार सदस्य हैं। पिछले ढाई वर्ष पूर्व सी लोगों से बनाया गया था। जो अब सोहागपुर ब्लड बैंक 2 नाम से चल रहा है वर्तमान में अब ऐसा समय आ गया है कि ब्लड लगाने के लिए दो आवेदन एवं ब्लड देने के लिए 10 लोग रोज उसुक रहते हैं। हम किसी को ब्लड पहुंचाने से पहले यह भी पता करते हैं कि उनके परिवार वालों ने ब्लड दिया है या नहीं या उनके परिवार वालों में ब्लड देने लायक लोग हैं



कि नहीं उसके बाद ही हम सोहागपुर से नर्मदापुरम के लिए रक्तदाता पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि एक रक्तदाता को नर्मदापुरम पहुंचने में ब्लड बैंक की तरफ से रु. 1500 का खर्चा आता है। उक्त राशि जन्मदिवस आदि के डोनेशन के पैसों से रक्तदाताओं को नर्मदापुरम पहुंचाया जाता है।

वहीं कई रक्तदाता स्वयं के खर्च से भी नर्मदापुरम जाते हैं। क्षेत्र नागरिकों के लिए सोहागपुर ब्लड बैंक ग्रुप लाइव लाइन बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि सोहागपुर ब्लड ग्रुप ने एक एक्सिडेंटल केस में 1 घंटे में 80 हजार एकत्रित कर अस्पताल के बिल में ही डाले थे।

सोहागपुर पुलिस को मिली कामयाबी, सचिन पुर्विया के हत्यारे बुधनी जिला सीहोर निवासी को 24 घंटे में किया गिरफ्तार

सोहागपुर। सोहागपुर थाने के अंतर्गत रानी पिपरिया में राजपूत ढाबा अजनेरी के संचालक सचिन पुर्विया की विगत दिवस रानी पिपरिया नहर की पुलिया के पास सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इससे सोहागपुर एवं आस-पास के क्षेत्रों में सनसनी फैल गई थी। जिसमें तरह तरह की चर्चा व्याप्त थी कि आखिर क्या ढाबे पर जो व्यक्ति मुंह में कपड़ों बांधकर मोटर साइकिल से आए शक के साथ सचिन गया था। उसकी हत्या उसने कर दी थी।

क्योंकि मृत सचिन बातचीत करने के बाद उसकी मोटर साइकिल पर बैठाकर गया था। तभी से सचिन पुर्विया का पता नहीं लग रहा था। इसके साथ उसका मोबाइल नंबर भी नहीं उठया जा रहा था। यह यक्ष प्रश्न बना हुआ था। प्रथम दृष्टया हत्या करने की पुर्तू नोक उसी अज्ञात व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घुम रही थी। इधर परिजनों ने भी सोहागपुर आकर रास्ता जाच कर दिया था। ऐसे में विगत तीन दिन पूर्व ही सोहागपुर पुलिस थाने की कमान संभालने वाले नगर निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी ने सभी को आश्वासन दिया था कि शीघ्र ही हत्या का खुलासा कर देंगे। हुआ भी यही इधर पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री साई कृष्ण एस थोटा आईपीएस के निर्देशन में एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री अभिषेक राजन रा.पु.से के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सोहागपुर श्री संजु चौहान के नेतृत्व में सोहागपुर पुलिस नगर निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी आदि ने



इसके सकारात्मक परिणाम भी हत्या के 24 घण्टे में खुलासा होने से आ गए। इस मामले में पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री साई कृष्ण एस थोटा आईपीएस के निर्देशन में एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री अभिषेक राजन रा.पु.से के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सोहागपुर श्री संजु चौहान के नेतृत्व में सोहागपुर पुलिस नगर निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी आदि ने

सचिन पुर्विया की हत्या के आरोपी विवेक आरोपी की तलाश हेतु टीम का गठन किया गया। होलीपुरा, बुधनी जिला सीहोर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने बताया कि घटना में दिनांक 17 जुलाई 26 को फरियादी राजू उर्फ

जिला सीहोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिसमें चरित्र शंका को लेकर सचिन पिता नारायण सिंह पुर्विया निवासी भार्गव मोहल्ल शोभापुर को बातचीत करने के बहाने से राजपूत ढाबा अजनेरी से अपनी मोटर साइकिल पर बैठाकर पांजर रोड, ग्राम रानी पिपरिया नहर की पुलिया पर ले जाकर सिर में गोली मारकर हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने अभियुक्त विवेक गुर्जर को निशादेही पर

हत्या में प्रयुक्त एक देशी पिस्टल कीमती करीबन 20 हजार रुपये, टीवीएस कंपनी की मोटरसाइकिल, मोबाइल एवं घटना के समय पहने हुये कपड़े जप्त किए गए हैं। पुलिस ने सचिन पुर्विया की हत्या में अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

24 घंटे तत्परता आरोपी को गिरफ्तार करने वाले टीम- थाना प्रभारी नगर निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी, उपनिरीक्षक राहुल पटेल, उपनिरीक्षक विवेक यादव, उपनिरीक्षक शहादत अली, सर्जन वरूणसिंह, आरक्षक 782अंकुश, 736 राममोहन, 744 मनोहर दायमा, 647 नंदकिशोर रजक, 24 अफसर खान, 980 राजकुमार, 716 जोशवा मसीह, 304 नरेन्द्र भदौरिया, सायबर सेल आरक्षक संदीप, दीपेश आदि थे।

संक्षिप्त समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम तरबेरिया में मनाया गया बावड़ी उत्सव

विदिशा (निप्र)। जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्रोतों के संवर्धन के उद्देश्य से प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सिरोंज तहसील के इमलानी सेक्टर स्थित ग्राम तरबेरिया में बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था प्याराखेड़ी जय मां जन सेवा समिति, द्वारा किया गया एवं सहयोग ग्राम विकास प्रसफ्टन समिति तरबेरिया का रहा। बावड़ी उत्सव के दौरान ग्रामीणों और श्रमदायियों ने बावड़ी न होने की स्थिति में कुएं की साफ-सफाई कर उसके संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात कुंआ पर पूजन किया गया तथा रंगोली बनाकर और दीपों से सजाकर जल स्रोत के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। एवं उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण संबंधी सपथ दिलाई गई तथा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मां गंगा की आरती उतारी और जल संरक्षण का संकल्प लिया। श्रमदान कार्य में ग्राम इमलानी, लिधौरा तरबेरिया की सहयोगी समितियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्थानीय ग्रामीणों को उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण और सामुदायिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

ग्राम छीपानेर में अवैध रूप से मण्डारित 2640 किलोग्राम डीजल जब्त

सीहोर (निप्र)। जिले के भैरुदा क्षेत्र में अवैध रूप से डीजल भण्डारण के मामले में प्रशासन ने कार्रवाई की है। भैरुदा एसडीएम श्री सुधीर कुशवाहा के निर्देश पर ग्राम छीपानेर में घर पर अवैध रूप से डीजल रखे होने की सूचना मिलने पर जांच की गई। नायब तहसीलदार सुश्री आरती सोलंकी ने राजस्व निरीक्षक गोपालपुर एवं खाद्य विभाग की टीम के साथ शिवम गंधवने पिता रामचन्द्र गंधवने के घर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान घर में 12 टंकियों में डीजल भरा हुआ मिला। प्रत्येक टंकी में लगभग 220 किलोग्राम डीजल के हिसाब से कुल 2640 किलोग्राम डीजल का अवैध भण्डारण पाया गया। पूछताछ में शिवम गंधवने ने बताया कि यह डीजल ग्राहकों को विक्रय करने के उद्देश्य से सीहोर स्थित तन्करु इंडिया प्रावेट लिमिटेड से लिया गया था। प्रशासन द्वारा अवैध रूप से भण्डारित डीजल जब्त कर छीपानेर किसान सेवा केन्द्र की सुपुर्दीगी में दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उन्नत एवं आधुनिक कृषि यंत्रों को बढ़ावा देकर कृषि को बनाए लाभा का व्यवसाय : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रतिवर्ती हल, सबसॉइलर, स्ट्रॉ रीपर, रोटावेटर, ग्रेडर मशीन, स्प्रेयर सहित विभिन्न उन्नत कृषि यंत्रों का आमलोकन किया तथा उनके उपयोग एवं कार्यप्रणाली की विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि किसान कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से आधुनिक एवं उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग कर कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाएं। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से कृषि कार्य कम समय में आसानी से संपादित किए जा सकते हैं तथा नरवाई प्रबंधन में भी प्रभावी सहायता मिलती है। कलेक्टर ने किसानों से चर्चा करते हुए नरवाई जलाने की गलत प्रथा को हतोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर नरवाई मुक्त ग्राम की दिशा में कार्य करना चाहिए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भूमि की उर्वरता भी बनी रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने माखननगर स्थित स्ट्रॉ स्पलाई चैन हार्डटेक हब के स्ट्रॉ कलेक्शन सेंटर में चल रहे नरवाई कलेक्शन कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संचालक श्री भूपेंद्र राजपूत से चर्चा कर नरवाई प्रबंधन की तकनीकों की जानकारी ली। संचालक द्वारा बताया गया कि बेलर मशीन के माध्यम से खेतों से नरवाई एकत्रित कर उसकी बेल्स तैयार की जाती हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि जिले में अधिक से अधिक क्षेत्रफल को कवर करते हुए आधुनिक कृषि यंत्रों एवं बेलर मशीनों का उपयोग कर प्रभावी नरवाई प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान कृषि अभियांत्रिकी विभाग से सहायक यंत्री श्री चंदन सिंह बक्रडे सहित अन्य अधिकारी गण एवं किसान बंधु उपस्थित रहे।

ग्राम तिरमहू में 10 वर्ष पुरानी विद्युत समस्या का हुआ समाधान

बैतुल (निप्र)।वितरण केंद्र आमला ग्रामीण अंतर्गत ग्राम तिरमहू में विद्युत विभाग द्वारा लंबे समय से चली आ रही विद्युत संबंधी समस्याओं का समाधान जनकल्याण शिबिर के दौरान किया गया। विभाग द्वारा गांव में विद्युत व्यवस्था को सुविधित एवं सुचारु बनाने के लिए विभिन्न सुधार कार्य किए गए। ग्राम में 11 केवी लाइन के 10 तथा एलटी लाइन के 73 नए सीमेंट पोल स्थापित किए गए। साथ ही झूलती हुई एलटी लाइनों को कसकर मानक ऊंचाई पर किया गया। खेतों में स्थित दो तिरछे डीटीआर/डीपी को सीधा कर उनके स्ट्रक्चर को मजबूत बनाया गया, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना कम हुई। किसानों की व्यक्तिगत समस्याओं का भी निराकरण किया गया। श्री रघुनाथ पूरन के खेत में नीचे झूलते तारों को सुरक्षित करने के लिए 5 पोल लगाए गए। श्री मनोज ठाकरे के खेत में 11 केवी लाइन को सुरक्षित ऊंचाई पर करने के लिए 2 नए पोल स्थापित किए गए। वहीं श्री तरुण पंडाग्रे के खेत में तिरछे डीटीआर/डीपी को सीधा किया गया। पंचायत भवन एवं स्कूल मोहल्ले में नीचे झूल रही केबल को ऊंचा कर के लिए 2 मिड-स्पान पोल लगाए गए, जिससे आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। ग्राम में आयोजित शिबिर के दौरान ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी दी गई तथा सौर ऊर्जा अपनावने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही बिजली बचत, विद्युत चोरी रोकथाम, विभागीय मोबाइल एप्लीकेशन के उपयोग तथा समय पर बिजली बिल जमा करने के संबंध में भी जागरूक किया गया।

राजधानी

मनवानी सर: अनुशासन सिखाने वाले क्रिकेट कोच

पुण्यतिथि पर विशेष

आलोक गोस्वामी क्रिकेट विश्लेषक

प्रो. एस.एन. मनवानी यह वह नाम है जिनको सागर विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग के विद्वान प्रोफेसर व पुरातात्विक विषय के जानकार के लिए तो सभी जानते हैं। लेकिन अगर हम इतिहास और खेल का समायोजन करें तो फिर सागर शहर में 1970 से 80 के दशक में अगर किसी को याद किया जाता है तो वह क्रिकेट प्रेमी और खेल की बारीक समझ रखने वाले हमारे अंकल मनवानी ही सभी को याद आते हैं। उस दौर में शायद ही कोई ऐसा खिलाड़ी रहा होगा जो उनके क्रिकेट जुनून से वाकिफ न हुआ हो।

वैसे तो सागर और उसकी क्रिकेट इतिहास में कई वह नाम हैं जिनकी चर्चा जगह जगह होती आयी है। लेकिन मेरे लिए तो एक ही वह नाम है वह है सिविल लाइन के मनवानी

अंकल...जिसने मेरे बचपन वाले खेल फुटबाल के लगाव में भी क्रिकेट की प्रतिभा को देख लिया था।याद आता है हमको अपना जिला स्तरीय अंतर स्कूल फुटबाल का वह फाइनल जो सागर के पुलिस लाइन मैदान पर खेला जा रहा था। मैं उस मैच में उस वक्त का गवर्नर स्कूल जो वर्तमान में एक्सिलेंस स्कूल के नाम से जाना जाता है के लिए बतौर गोल कीपर मैदान में था। आज भी जहन में 1978 का वह साल

और हमारे गोल के पास ही खड़े मनवानी अंकल की वह हैसला अफजाई करने की कला व फुटबाल के मैच में भी क्रिकेट को शामिल करने का तरीका हमको याद है।शायद उनकी इसी कला की वजह से मैं उनके संपर्क में आया। मनवानी अंकल की सबसे बड़ी खूबी यही थी कि खिलाड़ी चाहे बच्चा हो या बड़ा उनकी नजर बस उसके अंदर छिपी कबलियत को उक्रेने पर होती थी।इसी वजह से उस वक्त पर मेरे जैसे छोटे बच्चे को भी उन्होंने क्रिकेट में निखारने की जिम्मेदारीले डाली।सच कहें तो मेरे फुटबाल मैच में मनवानी अंकल की क्रिकेट वाली उन बातों ने मुझे इतना प्रभावित किया कि वह मैच हमारे फुटबाल कैरियर का आखिरी मैच हो



गया। शायद इसी वजह से क्रिकेट का असल गुरु हम अभी भी उनको ही मानते हैं। सच तो यह है कि हमको फुटबाल के मैदान से क्रिकेट की पिच पर उतारने वाले मनवानी अंकल ही एकमात्र मार्गदर्शक हैं।बस यहीं से अंकल ने हमको यह एहसास कराया कि जब तुम्हारे बड़े भाई क्रिकेट में सागर के लिए खेल सकते हैं तो फिर तुम क्यों नहीं.....भले ही विश्विद्यालय के छात्रों के लिए वह प्रोफेसर मनवानी जाने जाते थे, लेकिन चूँकि मैं उस वक्त कक्षा 10 का छात्र था तो मेरा संबंध हमेशा उनके लिए मनवानी अंकल ही रहा है। अंकल की बातों का प्रभाव का वक्त इतना हुआ कि 10 वीं क्लास में मैंने पहली बार क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया।गली मोहल्ले की क्रिकेट में चूँकि हम सिविल लाईंस में ही रहते थे अक्सर अंकल क्रिकेट के मैदान में हमको प्रोत्साहित करने आ जाते थे। हम क्रिकेट के मैदान में तरह तरह के

हाथ (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) आजमाते थे। एक बार फिर उन्होंने ही मुझको क्रिकेट के खेल की अहम सलाह दे डाली। वह बोले कि तुम फुटबाल में गोल कीपर थे अब क्रिकेट में भी बतौर विकेट कीपर क्यों नहीं ट्राय करते हो। बस हमको तो उनकी यह सलाह इतनी भा गयी कि बस हमने भी ठान लिया

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक से की भेंट

क्षेत्रीय रेल सुविधाओं एवं जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया

आमजन की सुविधा, सुरक्षा हमारी प्राथमिकता - सांसद दर्शन सिंह चौधरी

नर्मदापुरम (निप्र)। इटारसी रेलवे स्टेशन पर नर्मदापुरम संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप सिंह से सीजन्य भेंट कर क्षेत्रीय रेल सुविधाओं के विस्तार तथा जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में क्षेत्र के नागरिकों की लंबे समय से लंबित मांगों एवं यात्री सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा गया। सांसद श्री चौधरी ने हाल ही में निर्माणाधीन जुझारपुर, बनखेड़ा एवं मनकवाड़ा पुलों के कारण आमजन को हो रही असुविधा का उल्लेख करते हुए इन पुलों पर शीघ्र आवागमन बहाल करने की मांग की। उन्होंने आग्रह किया कि पूर्ण निर्माण कार्य होने तक कम से कम एक ओर का मार्ग तत्काल प्राथमिकता दिया जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में राहत मिल सके। बैठक में नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की



सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से स्टेशन के दोनों ओर 24 घंटे टिकट उपलब्ध एवं यात्री सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा गया। सांसद श्री चौधरी ने यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अधिकृत वेंडरों की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा स्टेशन परिसर में इन पुलों पर शीघ्र आवागमन बहाल करने की मांग की। उन्होंने आग्रह किया कि पूर्ण निर्माण कार्य होने तक कम से कम एक ओर का मार्ग तत्काल प्राथमिकता दिया जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में राहत मिल सके। बैठक में नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की

आधुनिकीकरण एवं यात्री सुविधाओं का विस्तार हो सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने बागार में रैक प्लांट स्थापित करने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के व्यापार, कृषि एवं औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी। साथ ही रेलवे के खेल मैदान को विकसित कर युवाओं के लिए खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव रखा। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप सिंह चौधरी ने सांसद द्वारा उठाए गए सभी विषयों पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनहित एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के आधार

पर परीक्षण कर उचित निर्णय लिया जाएगा। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि नर्मदापुरम संसदीय क्षेत्र के विकास तथा नागरिकों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु वे लगातार प्रयासरत हैं और आगे भी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाते रहेंगे। इस अवसर पर पश्चिम मध्य रेल के डीआरएम श्री पंकज त्यागी, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री राजेश कुमार मंडल, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री अरविंद कुमार रजक, प्रमुख सुरक्षा आयुक्त श्री राजीव कुमार यादव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सोम कटारिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री रोहित मालवीय, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री रामेन्द्र पाण्डेय, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक सिंह रेलवे मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही जेडआरयूसीसी सदस्य श्री योगेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्री पंकज चौरे एवं जनपद अध्यक्ष श्री भूपेंद्र चौकसे भी बैठक में मौजूद रहे।



मलेरिया जनजागरूकता रथ पहुंचा गांव-गांव, ग्रामीणों को किया जागरूक

विदिशा (निप्र)। मलेरिया उन्मूलन एवं जनस्वास्थ्य सुरक्षा के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नटेरन द्वारा संचालित मलेरिया जनजागरूकता रथ लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को जागरूक कर रहा है। इसी क्रम में मंगलवार, 16 जून को जनजागरूकता रथ ने देवखजूरी, कागपुर, हिनातिया, सेठ एवं पमारिया चौराहा सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों को बताया गया कि मलेरिया एक गंभीर संक्रामक बीमारी है, जो संक्रमित मादा एनोफेलीज मच्छर के काटने से फैलती है। समय पर पहचान और उपचार से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने, जलभराव रोकने तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने के लिए प्रेरित किया गया।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने ग्रामीणों को सलाह दी कि वे रात में सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, घरों के आसपास पानी जमा न होने दें तथा बुखार आने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। अभियान के दौरान लोगों को यह भी बताया गया कि मलेरिया की जांच और उपचार की सुविधा शासन द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि क्षेत्र के सभी स्वास्थ्य केंद्रों एवं आशा कार्यकर्ताओं के पास मलेरिया जांच की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है। किसी भी व्यक्ति को बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द या शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच करानी चाहिए, ताकि समय रहते उपचार शुरू किया जा सके।

जिला प्रबंधक लोक सेवा द्वारा लोक सेवा केंद्रों का निरीक्षण

व्यवस्थाओं में सुधार हेतु दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार सुशासन के अंतर्गत जिले में आमजन को सुलभ, सरल एवं पारदर्शी तरीके से सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला लोक सेवा प्रबंधन श्री आनंद झेरवार द्वारा सोमवार को लोक सेवा केंद्र सिवनी मालवा एवं लोक सेवा केंद्र डोलरिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री झेरवार ने दोनों केंद्रों की व्यवस्थाओं, प्राप्त आवेदनों, अभिलेखों एवं ऑनलाइन सेवाओं की समीक्षा की तथा आवश्यक सुधारतात्मक निर्देश दिए। लोक सेवा केंद्र सिवनी मालवा के निरीक्षण में कुछ आवेदनों में अपूर्ण प्रिंट एवं ऑनलाइन प्रिंट पर आवेदकों के हस्ताक्षर नहीं पाए गए।

इस पर ऑर्पेटरों को निर्देशित किया गया कि सभी ऑनलाइन भरे गए आवेदनों के पूर्ण प्रिंट आउट निकालकर आवेदकों के अनिवार्य रूप से हस्ताक्षर लिए जाएं तथा शत-प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए। केंद्र एवं शौचालय की साफ-सफाई बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एक ऑर्पेटर यूनिफॉर्म में उपस्थित नहीं पाया गया, जिसे समयपालन एवं निर्धारित यूनिफॉर्म में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए।

उपस्थित रिजिस्टर अथुरा पाए जाने पर उसे नियमित रूप से संधारित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक आवेदन की पावती आवेदक को अनिवार्य रूप से प्रदान करने तथा सभी आवेदन अगले दिवस तक संबधित



कार्यालयों में प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए गए। CCTV कैमरों की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने एवं आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध कराने हेतु भी निर्देशित किया गया। लोक सेवा केंद्र डोलरिया के निरीक्षण में सेवावार संधारित रिजिस्ट्रों एवं आवेदनों की जांच की गई। यहां भी कुछ ऑनलाइन आवेदनों पर आवेदकों के हस्ताक्षर नहीं पाए गए, जिस पर संबंधित ऑर्पेटरों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

आवेदन की हार्डकॉपी अगले दिवस तक संबधित कार्यालयों में भेजने, ऑनलाइन आवेदन एवं पावती की स्पष्ट एवं साफ प्रिंटिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान CCTV कैमरे बंद पाए गए, जिन्हें प्राथमिकता से दो दिवस के भीतर सुधारने के निर्देश दिए गए। केंद्र परिसर में साफ-सफाई

बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। दोनों लोक सेवा केंद्रों पर सभी ऑर्पेटरों को निर्धारित यूनिफॉर्म में उपस्थित रहने एवं समयपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सेवाओं की सूची एवं आवेदन शुल्क संबंधी जानकारी प्रदर्शित करने तथा प्रत्येक आवेदन की पावती आवेदक को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। ऑर्पेटरों को आवेदकों के प्रति विनम्र एवं शालीन व्यवहार बनाए रखने की समझाइश भी दी गई।

जिला प्रबंधक द्वारा सभी केंद्रों पर निर्धारित स्टाफ, पेयजल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, इंटरनेट, कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, फर्निचर एवं प्रचार-प्रसार सामग्री की उपलब्धता एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

जन अभियान परिषद ने जलोदा की प्राचीन बावड़ी की साफ सफाई कर मनाया 'बावड़ी उत्सव'

हरदा (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार विकासखंड टिमरनी मे म. प्र. जन अभियान परिषद के माध्यम से जनसहभागिता से जल स्रोतों की साफ-सफाई, गहरीकरण, जलसंरक्षण के लिए जनजागरूकता एवं जल स्रोत पूजन एवं गंगा कलश यात्राओं के वृहद स्तर पर आयोजन किये गये। इसी क्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तृतीय चरण में 'बावड़ी उत्सव' कार्यक्रम के तहत टिमरनी विकासखण्ड के ग्राम जलोदा में सोमवार को सोमवती अमावस्या के अवसर पर स्वच्छता, साफ-सफाई, बावड़ी पूजन एवं जल संगोष्ठी का आयोजन कल आयोजन किया गया। इस अवसर पर जलोदा ग्राम में स्थित लगभग 300 वर्ष पुरानी बावड़ी की साफ-सफाई व पुर्ताई कर बावड़ी का पूजन अर्चन किया गया। साथ ही ग्रामवासियों, माताओं, बहनों, युवाओं एवं बच्चों के साथ सम्पूर्ण बावड़ी में दीप प्रज्वलित किये गये। इसके बाद ग्राम के स्कूल परिसर में स्थित बावड़ी पर जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री संदीप गोहर, सरपंच श्री तेजगाम जी, वरिष्ठ कवि साहित्यकार एवं मंत्री श्री मुकेश शांडिल्य, विकासखंड समन्वयक श्री अनुपम भारद्वाज, शिक्षक श्री जयेंद्र राजपूत, श्री रतिराम बाबा समाधी से श्री तरुण महाने, नवांकुर संस्था फल से श्री अमित माहुले, सुश्री नेहा राठौर व अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

क्षतिग्रस्त भवनों में कक्षाएं संचालित न करें: सहायक संचालक

सिवनीमालवा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू होने से पहले शिक्षा विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनीमालवा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक संचालक शिक्षा योगेश मनोहरे ने की। बैठक की शुरुआत सांदीपनि स्कूल के प्राचार्य ए.एस. राजपूत के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देकर की गई। कार्यक्रम का संचालन नवीन हाई स्कूल के प्राचार्य सुरेंद्र कुमार पाटिल ने किया। बैठक में श्री मनोहरे ने निर्देश दिए कि किसी भी छात्र-छात्रा को प्रवेश से वंचित न किया जाए। निशुल्क साइकिल योजना के पात्र छात्राओं की सूची पहले से तैयार की जाए। निशुल्क



पाठ्यपुस्तक वितरण 23 जून 2026 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें। क्षतिग्रस्त शाला भवनों में कक्षाएं संचालित न की जाएं। संकुल प्राचार्य इसका गंभीरता से निरीक्षण करें। ई-अटेंडेंस के आधार पर ही वेतन भुगतान होगा। अतिथि शिक्षकों का अनुभव प्रमाण पत्र संकुल स्तर से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भेजना अनिवार्य है।

कार्यालय प्रकरण, समयमान वेतनमान, ग्रेडेशन लिस्ट में 7 दिन के भीतर प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला व नव नियुक्त शिक्षकों के नाम जोड़े जाएं। कक्षा 9वीं और 11वीं का द्वितीय परीक्षा परिणाम 23 जून 2026 तक घोषित किया जाए। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को प्राथमिकता दी जाए। उच्च परीक्षा की अनुमति के लिए नए फॉर्मेट में आवेदन कार्यालय में जमा करें। 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शाला स्तर पर तैयारी करें। नव नियुक्त शिक्षकों की गोपनीय चरित्रावली वेतन भुगतान दिनांक से तथा क्रमोन्तति/पदोन्तति पदभार ग्रहण दिनांक से दी जाए। संचालन के लिए 3 वर्ष पूर्ण होना आवश्यक है बैठक में छात्रवृत्ति और MP Task 2023 से 2026 तक की प्रगति पर भी चर्चा हुई।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में प्राचीन श्री वीरगढ़ी हनुमान मंदिर की गोशाला में गोमाता की पूजा कर गुड़-चारा खिलाया।

आज से शिक्षकों के ट्रांसफर, ऑनलाइन कर सकेंगे आवेदन

ई-अटेंडेंस, जनगणना ड्यूटी बनी बाधा; शिक्षक बोले- नियम बदले बिना ट्रांसफर नामुमकिन

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में मनचाहे ट्रांसफर (स्वैच्छक स्थानान्तरण) का इंतजार कर रहे शिक्षकों के लिए बड़ी खबर है। विभाग 19 जून से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। हालांकि, तबादले की नई शर्तों और नियमों को लेकर प्रदेश के शिक्षकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। शिक्षक संगठनों का साफ कहना है कि नियम इतने कड़े हैं कि अधिकांश शिक्षक इसका लाभ ही नहीं उठा पाएंगे। शिक्षक संगठन के अनुसार, स्वैच्छक तबादले के लिए पोर्टल बहुत कम समय के लिए खोला जा रहा है। आवेदन की आखिरी तारीख 23 जून है।

इन 3 शर्तों ने बढ़ाई परेशानी, 95 प्रतिशत शिक्षक हो सकते हैं बाहर- शासकीय शिक्षक संगठन मध्य प्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल का दावा

है कि वर्तमान परिस्थितियों में प्रदेश के करीब 95 प्रतिशत शिक्षक आवेदन करने से ही वंचित रह जाएंगे। इसके पीछे मुख्य रूप से तीन कड़े नियम हैं।

90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता- विभाग ने ट्रांसफर के लिए 90 प्रतिशत ऑनलाइन हजिरी अनिवार्य की है। शिक्षकों का कहना है कि तकनीकी समस्याओं और नेटवर्क न होने के कारण कई बार उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाई, जिसका खामियाजा अब उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

जनगणना ड्यूटी पर रोक- प्रदेश के करीब 75 प्रतिशत शिक्षक इस समय जनगणना कार्य में लगे हुए हैं। नए नियमों के मुताबिक, जनगणना ड्यूटी वाले शिक्षकों के ट्रांसफर नहीं होगा। यहाँ तक कि अगर किसी का प्रशासनिक ट्रांसफर आदेश पहले जारी भी हो चुका है तो

ड्यूटी के कारण उसे स्वतः निरस्त माना जाएगा।

3 साल की न्यूनतम सेवा- जिन शिक्षकों को सेवा में अभी 3 साल पूरे नहीं हुए हैं, वे भी इस प्रक्रिया से बाहर हैं।

4.25 लाख शिक्षकों का मामला, सरकार से पुनर्विचार की मांग- पारिवारिक, स्वास्थ्य और अन्य व्यक्तिगत कारणों से लंबे समय से अपने घर या पसंदीदा क्षेत्र में ट्रांसफर की राह देख रहे हजारों शिक्षक इन नियमों से हताश हैं।

शासकीय शिक्षक संगठन ने राज्य सरकार और स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की है कि व्यावहारिक समस्याओं को देखते हुए ई-अटेंडेंस, जनगणना ड्यूटी और 3 साल की सेवा अवधि की शर्तों में ढील दी जाए, ताकि वर्षों से परेशान शिक्षकों को सही मायने में राहत मिल सके।

राजधानी

मप्र के 81 लाख किसानों को 1,634 करोड़ मिलेंगे

शिवराज सिंह ने की घोषणा, मीनाक्षी नटराजन पर बोले- अब पछताए होत क्या, चिड़िया चुग गई खेत

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में बताया- 20 जून को पीएम किसान की 23वीं किस्त आएगी। पीएम नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से 23वीं किस्त जारी करेंगे। साथ ही बताया- मध्यप्रदेश के 81.67 किसानों के खातों में 1,634 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे ट्रांसफर की जाएगी।

उन्होंने कहा- खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले मिलने वाली यह सहायता किसानों के लिए बड़ी राहत होगी। वहीं मीनाक्षी नटराजन के सत्याग्रह को लेकर पूछे गए सवाल पर शिवराज सिंह ने कहा- अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।

शिवराज सिंह चौहान ने बताया- पीएम-किसान योजना के तहत अब तक 22 किस्तों के माध्यम से देशभर के किसानों के खातों में करीब 4.28 लाख करोड़ रुपये सीधे भेजे जा चुके हैं। 23वीं किस्त के तहत देश के करीब 9 करोड़ किसानों के खातों में 18,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की जाएगी। शिवराज सिंह चौहान ने बताया- 20 जून को पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी होगी।

देशभर में मनाया जाएगा पीएम किसान उत्सव दिवस

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 23वीं किस्त जारी होने के अवसर पर पूरे देश में पीएम किसान उत्सव दिवस मनाया जाएगा। इसके तहत देश के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों, 113 आईसीएआर संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और राज्य, जिला, ब्लॉक तथा ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अनुमान है कि करीब 4 करोड़ किसान विभिन्न स्थानों से इन कार्यक्रमों में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनेंगे।



पश्चिम बंगाल के किसानों को भी मिलेगा लाभ

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पहले पश्चिम बंगाल के किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था, लेकिन अब राज्य के 44 लाख 42 हजार किसानों को भी योजना का लाभ मिलेगा। इससे वहां के छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक सहायता मिलेगी।

कम बारिश की स्थिति के लिए भी तैयारी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि बारिश में लंबा अंतराल आता है या सामान्य से कम वर्षा होती है, तो किसानों को वैकल्पिक खेती के विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर जिला स्तर पर रणनीति तैयार कर रही हैं ताकि किसानों को नुकसान से बचाया जा सके।

पराली प्रबंधन पर राज्यों को सलाह

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पराली प्रबंधन को लेकर भी राज्यों को पहले से जरूरी कदम उठाने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से धान उत्पादक राज्यों के साथ फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर समन्वय किया जा रहा है, ताकि पर्यावरण और कृषि दोनों को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

‘कबूल है... कबूल है’

तड़पती-चीखती एयरफोर्स जवान की पत्नी का जबरन मौलाना ने करवाया धर्मांतरण, छिंदवाड़ा से गिरफ्तार

छिंदवाड़ा (नप्र)। जबरन धर्मांतरण और रेप के मामले में फरार चल रहे मौलाना को नागपुर पुलिस ने कथित रूप से छिंदवाड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि पुलिस की दबिश की वजह से उसने सरेंडर कर दिया है। मौलाना हजरत मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा का रहने वाला है। तामिया क्षेत्र में उसका घर है। बुधवार देर रात उसने सोनेगांव पुलिस थाने में सरेंडर किया है।



मौलाना हजरत की तलाश में थी कई टीमों- दरअसल, मौलाना हजरत की तलाश में पुलिस की कई टीमों थी। तामिया स्थित उसके घर के आसपास भी पुलिस की टीम की टीम तलाश कर रही थी। नागपुर पुलिस के बड़ते दबाव की वजह से उसे छिपना मुश्किल हो रहा था। इसके बाद उसने सरेंडर किया है। लेकिन स्थानीय सूत्रों के अनुसार उसे गिरफ्तार किया गया है।

जबरन धर्मांतरण और निकाह का आरोप- मौलाना हजरत ने एयरफोर्स कर्मी की पत्नी के साथ ज्वादाती की थी। आरोपी पर 24 वर्षीय महिला के जबरन धर्मांतरण में मदद करने और उसका निकाह करने का आरोप है। महिला एयरफोर्स कर्मी की पत्नी है।

दो पहले ही चुके हैं गिरफ्तार

वहीं, इस मामले में मुख्य आरोपी अयाज ताज मदारे और आरोपी आमिर मेहमूद शेख को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। मौलाना हजरत को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया है और रिमांड की मांग की है। रिमांड के दौरान उससे पूछताछ की जाएगी। साथ ही घटना के बारे में समझा जाएगा।

21 जून तक की हे पुलिस रिमांड

इसके साथ ही दो अन्य आरोपियों की पुलिस रिमांड 21 जून तक बढ़ा दी गई है। जांच टीम मोबाइल फोन, सिम कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच कर रही है।

काला जादू भी किया

एफआईआर में महिला ने दावा किया है कि आरोपी उसे मध्य प्रदेश के तामिया क्षेत्र में लेकर गए, जहाँ मौलाना हजरत ने कथित तौर पर तांत्रिक अनुष्ठान और काला जादू जैसी गतिविधियाँ कीं। महिला का कहना है कि उसे मानसिक रूप से प्रभावित करने का प्रयास किया गया और इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए दबाव बनाया गया। लगातार दबाव और भय के माहौल में उसे अत्याज से निकाह करने के लिए भी मजबूर किया गया। उसने आरोप लगाया कि मौलाना की बातों और धार्मिक दबाव के कारण वह कुछ समय के लिए आरोपियों के प्रभाव में आ गई थी।

मध्य प्रदेश के स्कूलों में दूसरे चरण का प्रवेशोत्सव शुरू

बच्चों का बन गया दिन! स्कूल के फर्स्ट डे ही क्लास में सीएम मोहन यादव से हो गया सामना, मिला खूब प्यार

इंदौर (नप्र)। गर्मी की छुट्टी के बाद एमपी में सरकारी और गैर सरकारी स्कूल खुल गए हैं। स्कूल के पहले ही दिन इंदौर में बच्चों का दिन बन गया है। उनके क्लास में सीएम मोहन यादव पहुंच गए। उन्होंने छात्रों पर खूब प्यार और दुलार लुटाया है। साथ ही छात्रों से बात भी की है।



शासकीय स्कूल में पहुंच गए सीएम

मध्यप्रदेश के स्कूलों में 18 जून से चहल-पहल बढ़ गई। राज्य के स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का दूसरा चरण आयोजित किया गया। इस मौके पर मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव इंदौर के शासकीय शारदा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे। उन्होंने छात्राओं से संवाद भी किया। साथ ही स्कूल की प्रयोगशाला का अवलोकन किया और शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली।

मोहन का मनमोहन अंदाज

सीएम यादव जब अचानक छात्राओं के बीच पहुंचे तो वे यकीन ही नहीं कर सकीं। एक तरफ सीएम यादव ने उनसे कई तरह के सवाल किए, तो दूसरी तरफ छात्राओं ने भी उनसे प्रश्न पूछ लिए। छात्राओं ने उनके हर सवाल का जवाब दिया। उनके जवाबों से प्रदेश के मुखिया संतुष्ट नजर आए। सीएम यादव ने छात्राओं से दुलार भी किया और उनके लिए प्रश्न रखकर आशीर्वाद भी दिया। साथ ने छात्राओं से विज्ञान को लेकर भी चर्चा की। छात्राओं ने लैब में उन्हें कई तरह की जानकारी दी।

नामांकन में दर्ज हुई वृद्धि

गौरतलब है कि प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का पहला चरण 1 से 4 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। उस वक्त भी मोहन यादव ने शासकीय स्कूलों में ड्रॉप आउट की संख्या शून्य करने पर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी थी। राज्य सरकार ने शासकीय स्कूलों में कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इससे वर्ष 2025-26 में नामांकन में 19.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में भी 32.4 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है। राज्य सरकार ने मौजूदा सत्र में स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख नामांकन करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में 369 भव्य सांघीय विद्यालयों की शुरुआत की गई।

भोपाल, इंदौर, धार समेत 32 जिलों में आंधी-बारिश

अशोकनगर और सागर में 56 किलोमीटर की रफ्तार से चली धूल भरी आंधी



प्रतिघंटा, राजगढ़ और आगर-मालवा में 50 किमी प्रतिघंटा, इंदौर में 46 किमी प्रतिघंटा तथा बैतूल, सीहोर और शिवपुरी में 44 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं।

इसके अलावा जबलपुर में 41 किमी प्रतिघंटा, भोपाल में 39 किमी प्रतिघंटा, विदिशा और बड़वानी में 35 किमी प्रतिघंटा, धार, गुना और नर्मदापुरम में 33 किमी प्रतिघंटा, जबकि मंदसौर,

मानसून सिर पर...भोपाल में इंतजाम नहीं

ज्याति टॉकीज के पास 1 साल से धंसी सड़क ठीक नहीं; अब घुटनों तक भर रहा पानी



चार महीने से चल रहा काम

भोपाल (नप्र)। एमपी नगर में 1 साल पहले धंसी सड़क ठीक नहीं हुई है। ऐसे में न सिर्फ एक तरफ की लेन से ट्रैफिक बंद है, बल्कि थोड़ी सी बारिश होते ही घुटनों तक पानी भी भर रहा है।

मानसून सिर पर है, लेकिन राजधानी भोपाल में अव्यवस्थाओं से निपटने के इंतजाम नहीं हुए हैं। सबसे व्यस्त इलाकों में से एक एमपी नगर में 1 साल पहले धंसी सड़क ठीक नहीं हुई है। ऐसे में न सिर्फ एक तरफ की लेन से ट्रैफिक बंद है, बल्कि थोड़ी सी बारिश होते ही घुटनों तक पानी भी भर रहा है।

बता दें कि बोर्ड ऑफिस चौराहे से एमपी नगर चौराहे के बीच की सड़क पिछले साल 17 जुलाई को धंस गई थी। यह नाले के ऊपर बनी थी। इसे अगले दो से तीन दिन में ठीक किया गया तो अगले हिस्से की सड़क धंसने लगी।

इसके चलते पीडब्ल्यूडी ने 50 साल पुराने इस नाले पर प्री-कास्ट तकनीक से रेलवे के अंडरपास जैसा स्ट्रक्चर बनाना शुरू किया। इसके लिए दो बार टेंडर भी निकाले, लेकिन ऐसा स्ट्रक्चर बनाने के लिए कोई नहीं आया और टेंडर कैसिल हो गए। आखिरकार तीसरी बार टेंडर की प्रक्रिया हुई और फिर इसकी मरम्मत का काम शुरू हो गया।

ज्याति टॉकीज चौराहा से बोर्ड ऑफिस चौराहा आने-जाने वाले वाहन चालकों को पिछले चार महीने से भारी परेशानी से गुजरना पड़ रहा है। पहले एक लेन का काम शुरू किया गया, जो कुछ दिनों में ही पूरा हुआ है। अब दूसरी लेन पर काम चल रहा है। इस वजह से ऐसा तरफ की सड़क बंद की गई है। ऐसे में चेतक ब्रिज से बोर्ड ऑफिस चौराहे पर आने वाले लोगों को घूमकर जाना पड़ रहा है। हर रोज करीब 5 लाख लोग परेशान हो रहे हैं।

बारिश में ज्यादा दिक्कतें

जानकारी के अनुसार, ज्याति टॉकीज चौराहे पर जो सड़क धंसी थी, उसके ऊपर बारिश के दिनों में घुटने तक पानी भर जाता था। ऐसे में राहगीर खासे परेशान होते थे। यही कारण है कि सड़क धंसने के बाद पीडब्ल्यूडी ने नई तकनीक से मरम्मत शुरू कराई, लेकिन यह भी कारगर साबित नहीं हो पाई है। हाल ही में हुई बारिश की वजह से एक लेन पर इतना पानी भर गया कि पैदल चलने वालों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गईं। वहीं, कारों भी मुश्किल से निकल पाईं। करीब दो घंटे तक लोग परेशान होते रहे। समझा जा सकता है कि नई तकनीक भी यहाँ काम की नहीं रही।